E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 310 | गुवाहाटी | सोमवार, 10 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

त्रिपुरा में राजीव गांधी की प्रतिमा क्षतिग्रस्त कांग्रेस विधायक ने लगाया बड़ा आरोप पेज 2

बांग्लादेशी तस्कर को बीएसएफ के जवानों ने मारी गोली, सीमा पर तनाव पेज 3

उप्र में विपक्ष की गठबंधन राजनीति के बावजूद भाजपा सबसे बड़ी ताकत पेज 5

इगा स्वियातेक ने चौथी बार जीता फ्रेंच ओपन का खिताब फाइनल... पेज 7

मोदी 3.0 मंत्री परिषद के सदस्य

तीसरी बार पीएम बनकर मोदी ने रचा इतिहास

नई दिल्ली/वाराणसी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में रविवार को आयोजित समारोह में उनको पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसी के साथ मोदी ने पंडित जवाहर लाल नेहरू के लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बनने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। पंडित नेहरू वर्ष 1952, 1957 एवं 1962 का आम चुनाव जीतकर लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बने थे। उत्तर प्रदेश के वाराणसी से लगातार तीसरी बार सांसद निर्वाचित हुए मोदी का जन्म गुजरात के वडनगर में 17 सितंबर 1950 को हुआ। जब वे 8 साल के थे तो वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आए। साल 1970 में वह संघ के प्रचारक बन गये। 1975 संघ द्वारा मोदी को *गुजरात लोक संघर्ष समिति* का महासचिव नियुक्त किया गया था। आपातकाल के दौरान गिरफ्तारी से बचने के लिए मोदी को अंडरग्राउंड होने के लिए मजबूर होना पड़ा। वह सरकार का विरोध करने वाली पम्फलेट की प्रिंटिंग में शामिल थे। सूरत एवं वडोदरा में होने वाले संघ के कार्यक्रमों में वे बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने लगे। वर्ष 1979 में वह संघ के संभाग प्रचारक बनाए गए। 1987 में मोदी को भाजपा की गुजरात इकाई के संगठन सचिव का दायित्व मिला। मोदी को 1996 में भाजपा के महासचिव (संगठन) के रूप में पदोन्नत दिया गया। मोदी ने 1990 में लालकृष्ण आडवाणी की राम रथ यात्रा और 1991 में मुरली मनोहर जोशी की एकता यात्रा आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्ष 2001 केशुभाई पटेल का स्वास्थ्य खराब हुआ और भाजपा ने उप चुनावों में कुछ राज्य विधानसभा सीटें खो दी। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने पटेल की जगह मोदी को गुजरात के मुख्यमंत्री पद की कमान सौंप दी। सात अक्टूबर 2001 को मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। 24 फरवरी 2002 को उन्होंने राजकोट विधानसभा क्षेत्र से उपचुनाव जीता।

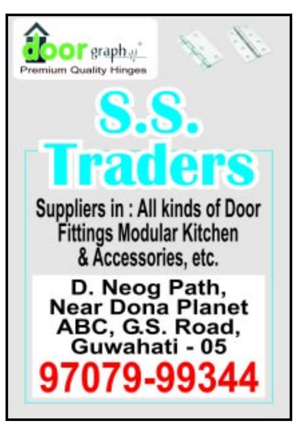

नए केंद्रीय मंत्रियों की सूची से अनुराग ठाकुर बाहर

नई दिल्ली। भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के नए मंत्रियों की सूची में अपना नाम नहीं होने के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को कहा कि वह पार्टी कार्यकर्ता के रूप में काम करते रहेंगे और भारत को एक विकसित देश बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को पूरा करने में योगदान देंगे। ठाकुर ने मोदी और उनके *मंत्रियों की टीम* को बधाई दी और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राजग सरकार में -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी 3.0 : सीसीएस से जुड़े सभी शक्तिशाली मंत्रालय भाजपा के नियंत्रण में

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी थोड़ी देर में लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनकर इतिहास रचने जा रहे हैं। हालांकि, इस बार के लोकसभा चुनाव में उनकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने दम पर पूर्ण बहुमत का आंकड़ा पार नहीं किया। भाजपा को कुल 240 सीट पर जीत हासिल हुई। आम चुनाव में चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) किंगमेकर के रूप में उभरकर सामने आईं। तेदेपा ने 16 और जदयू ने 12 सीट पर जीत दर्ज की। इन दोनों दलों के बिना केंद्र में एनडीए सरकार बनाना मुश्किल होता। ऐसे में इन सहयोगी दलों को केंद्रीय मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व देना ही पड़ेगा। इसे लेकर भाजपा, तेदेपा, जदयू -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू-कश्मीर में तीर्थयात्रियों की बस पर आतंकी हमला, 10 की मौत

जम्मू (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में रविवार को आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी के बाद तीर्थयात्रियों को कटड़ा से शिवखोड़ी ले जा रही एक बस गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में 10 यात्रियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शुरुआती रिपोर्टों का हवाला देते हुए बताया कि शिव खोरी मंदिर जा रहे तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर पोनी इलाके के तेरयाथ गांव में आतंकियों ने गोलीबारी की। हमले के बाद बस गहरी खाई में लुढ़क गई। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान शुरू किया गया और पुलिस, सेना और अर्धसैनिक बलों की अतिरिक्त टुकड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गईं। शुरुआती सूचनाओं के मुताबिक घटना में कम से कम 10 लोग मारे गए हैं।

सुप्रभात

चलिए अपना आज कुर्बान करें ताकि आगे आने वाली पीढ़ी को बेहतर कल मिल सके।

– **अब्दुल कलाम**

नीट परीक्षा विवाद : संसद में मैं आपकी आवाज बनूंगा, राहुल ने छात्रों को दिया आश्वासन

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को प्रधानमंत्री पद के लिए मनोनीत नरेंद्र मोदी पर नीट-यूजी मेडिकल प्रवेश विवाद को लेकर निशाना साधा और कहा कि परीक्षा में कथित *अनियमितताओं* ने उनके नए कार्यकाल के लिए शपथ लेने से पहले ही 24 लाख से अधिक छात्रों को तबाह कर दिया है। गांधी ने देश के छात्रों को आश्वासन दिया कि वह संसद में उनकी आवाज बनेंगे और उनके भविष्य से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे। सोशल मीडिया एक्स पर हिंदी में लिखे एक पोस्ट में गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने अभी शपथ भी नहीं ली है और नीट परीक्षा में अनियमितताओं ने 24 लाख से अधिक छात्रों और उनके परिवारों को तबाह कर दिया है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि एक ही परीक्षा केंद्र से छह छात्र अधिकतम अंकों के साथ परीक्षा में टॉपर रहे, जबकि कई छात्रों को ऐसे अंक मिले जो तकनीकी रूप से संभव नहीं हैं, लेकिन सरकार लगातार पेपर लीक की संभावना से इनकार कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने शिक्षा माफिया और सरकारी मशीनरी की मिलीभगत से चल रहे इस *पेपर लीक उद्योग* से निपटने के लिए एक मजबूत योजना बनाई है। -शेष पृष्ठ दो पर

जेईई-एडवांस्ड परीक्षा का परिणाम घोषित, वेद लाहोटी बने ऑल इंडिया टॉपर

नई दिल्ली/कोटा (हि.स.)। आईआईटी मद्रास का 26 मई को हुई जेईई-एडवांस्ड परीक्षा का परिणाम मात्र 14 दिन बाद रविवार 9 जून को घोषित कर दिया। इस परीक्षा में 1,91,283 विद्यार्थियों को पंजीकृत किया गया था। इस बार 48,248 विद्यार्थियों को आईआईटी संस्थानों में प्रवेश के लिए क्वालिफाई घोषित किया गया है। उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों में 40,284 छात्र एवं 7964 छात्राएं हैं। आईआईटी मद्रास के जारी परिणामों में ऑल इंडिया मेरिट सूत्री में इस वर्ष एलन कोटा के कोचिंग छात्र व इंदौर निवासी वेद लोहाटी ने ऑल इंडिया रैंक में टॉप किया। लोहाटी ने 360 में से सर्वाधिक 355 अंक हासिल किये है। गर्ल्स केटेगरी में छात्रा द्विजा धर्मेश कुमार पटेल टॉपर रही, जिसने 360 में से 322 अंक हासिल किए हैं। मुख्य मेरिट सूची में रैंक-2 पर आदिल, रैंक-3 पर भोगलपल्ली संदेश, रैंक-4 पर रिथम केडिया, रैंक-5 पर पुट्टी कुशल कुमार, रैंक-6 पर राजदीप मिश्रा, रैंक-7 पर द्विजा पटेल, रैंक-8 पर कोडुरी तेजेश्वर, रैंक-9 पर धुवी हेमंत दोषी, रैंक-10 पर अल्लादा बोना सिद्धिक सुहास सफल रहे। उल्लेखनीय देश के 23 -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

त्रिपुरा में राजीव गांधी की प्रतिमा क्षतिग्रस्त कांग्रेस विधायक ने लगाया बड़ा आरोप

अगरतता। त्रिपुरा में कांग्रेस के एक विधायक ने रविवार को बड़ा दावा किया। उन्होंने दावा किया कि उनाकोटी जिले में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की एक क्षतिग्रस्त प्रतिमा पाई गई है। कांग्रेस विधायक बिराजित सिन्हा ने राजीव गांधी की तीन फीट की प्रतिमा को तोड़ने का आरोप भाजपा के समर्थित गुंडों पर लगाया है। उन्होंने कहा कि पूर्व पीएम के सम्मान में साल 2009 में कैलाशहर उपखंड के गोविदपुर इलाके में कंक्रीट की एक संरचना पर प्रतिमा स्थापित की गई थी। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, सिन्हा ने कहा कि रविवार सुबह पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की क्षतिग्रस्त प्रतिमा पाई गई है। मुझे संदेह है कि भाजपा समर्थित कुछ गुंडों ने प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किया है। कांग्रेस ने प्रतिमा को तोड़ने वाले लोगों की पहचान करने और जल्द से जल्द उनकी गिरफ्तारी की मांग की है। कांग्रेस नेता यह भी दावा किया कि लोकसभा चुनाव परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद कुछ उपद्रवियों ने कैलाशहर पुलिस थाना क्षेत्र के श्रीरामपुर में सीपीआई (एम) पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ की थी। इसके बाद शुक्रवार को भी कैलाशहर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत कागिरगांव में कुछ शरारती तत्वों ने प्रसिद्ध सांस्कृतिक कार्यकर्ता हिमाद्रि देब की एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया था। उन्होंने कहा कि यह कायरतापूर्ण काम है, मैं ऐसे कृत्यों की कड़ी निंदा करता हूं। दूसरी ओर से राज्य के सिपाहीजाला जिले में कुएं की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि घटना शनिवार सुबह नियोरामुरा जेबी स्कूल परिसर में हुई। सोनमुरा के ग्रामीणों ने क्षेत्र में पानी की कमी के कारण कुएं की सफाई कर रहे थे। सबसे पहले एक मजदूर कुएं की सफाई करने के लिए नीचे गया, लेकिन काफी देर बाद जब उसका कुछ पता नहीं चला तो अन्य मजदूर भी उसके पीछे कुएं में चले गए। कुछ देर बाद तीनों मजदूर कुएं में बेसुध पाए गए। मजदूरों को किसी तरह से बाहर निकाला गया और अस्पताल भेजा गया। जहां, डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि कुएं में जहरीली गैस थी जिसकी वजह से दम घुटने से मौत हुई है। हालांकि, मौत की सही जानकारी का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा।

एक कमजोर प्रधानमंत्री शपथ ले रहा : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता अलका लांबा ने रविवार को कहा कि नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में *कमजोर प्रधानमंत्री* साबित होंगे, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को लोकसभा चुनाव में अपने दम पर बहुमत नहीं मिला है। अलका लांबा ने कहा कि एक कमजोर प्रधानमंत्री शपथ ले रहा है। इस प्रधानमंत्री के पास बहुमत नहीं है। तानाशाह कमजोर पड़ रहा है। वह संविधान बदलने के लिए 400 सीटें मांग रहा था, उसे बहुमत भी नहीं मिला। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष देश में लोकतंत्र बचाने के लिए जीत हासिल करने में कामयाब रहा। लांबा ने कहा कि वह (नरेंद्र मोदी) लोकतंत्र को कुचलने में कामयाब नहीं होंगे। वह जम्मू-कश्मीर और देश के लोगों के अधिकारों को नकार नहीं पाएंगे। यह हमारी जीत है। जम्मू-कश्मीर की पांच लोकसभा सीट के नतीजों के बारे में पूछे जाने पर लांबा ने कहा कि यह संतोषजनक है क्योंकि विपक्षी गठबंधन *इंडिया* ने दो सीट जीती हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू में भाजपा ने दो सीटें जीतीं, विपक्षी गठबंधन इंडिया ने दो सीट जीतीं जबकि एक सीट पर निर्दलीय ने जीत दर्ज की। अगर कश्मीर की बात करें तो भाजपा ने अपना उम्मीदवार भी नहीं उतारा क्योंकि जम्मू-कश्मीर को उन्होंने जो जख्म दिए हैं, वे बहुत गहरे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस चुनाव पूर्व के गठबंधन को जारी रखेगी, इस पर लांबा ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व इस पर फैसला करेगा।

वीके पांडियन ने ओडिशा चुनाव में हार के बाद छोड़ी राजनीति

नई दिल्ली (हि.स.)। ओडिशा के कार्यवाहक मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के करीबी सहयोगी वीके पांडियन ने रविवार को सक्रिय राजनीति से संन्यास की घोषणा की। हाल में संपन्न लोकसभा एवं विधानसभा के चुनावों में बीजू जनता दल (बीजद) को ओडिशा में मिली करारी हार के बाद आज एक वीडियो संदेश में उन्होंने इसकी घोषणा की। एक दिन पहले पटनायक ने कहा था कि पांडियन उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी नहीं हैं। पांडियन ने कहा कि वे राजनीति में केवल अपने संरक्षक नवीन पटनायक को सहयोग देने आए थे। उनका इसके अलावा कोई मकसद नहीं था। उन्होंने न ही चुनाव न लड़ा और न ही बीजद में कोई पद लिया लेकिन कुछ कथानक ऐसे गढ़े गए जिनका हम सामना नहीं कर पाए। इसके कारण बीजद परिवार को नुकसान उठाना पड़ा। वे इसके लिए जनता और बीजद परिवार से माफी मांगते हैं। उनके पास लोगों का प्रेम ही सबसे बड़ी संपत्ति है। ओडिशा में हाल में हुए चुनावों में भाजपा को बड़ी जीत मिली है। इसका प्रमुख कारण पांडियन का नवीन पटनायक का राजनीतिक विरासत संभालना माना जा रहा है। 2000 बैच के आईएएस अधिकारी पांडियन ने दो दशक से अधिक समय तक पटनायक के निजी सचिव रहे। 2023 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के बाद वह बीजद में शामिल हो गए। पटनायक अपने पिता की मृत्यु के बाद राजनीति में आए थे। पहले वे केंद्र में मंत्री रहे और फिर राज्य में मुख्यमंत्री। वे लगातार 25 सालों तक ओडिशा के मुख्यमंत्री रहे।

पेंडिंग योजनाओं को जल्दी से जल्दी पूरा करें, 100 दिन के एजेंडे को जमीन पर उतारें : मोदी

भुवनेश्वर। नरेंद्र मोदी आज लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। शाम 7.15 बजे राष्ट्रपति भवन में शपथ ग्रहण समारोह होगा। शपथ ग्रहण समारोह से पहले मोदी ने पीएम आवास पर सभी संभावित मंत्रियों के साथ चाय पर चर्चा की। साल 2014 से यह एक परंपरा सी बन गई है कि मोदी मंत्रिपरिषद के गठन से पहले नेताओं को चाय पर बुलाते हैं और फिर कमाबेश वही चेहरे मंत्री पद की शपथ लेते हैं। मोदी ने अपनी कैबिनेट के नए सहयोगियों से कहा है कि 100 दिन के एजेंडे की कार्ययोजना को जमीन पर उतारना है। नरेंद्र मोदी ने अपनी कैबिनेट के नए सहयोगियों से कहा है कि 100 दिन के एजेंडे की कार्ययोजना को जमीन पर उतारना है। आपको जो भी विभाग मिले, उसकी पेंडिंग योजनाओं को जल्दी से जल्दी पूरा करना है। 5 साल के रोड़ मैप में जुटिए। हमारी सरकार का लक्ष्य 2047 में भारत को विकसित भारत बनाना है। जनता को एनडीए पर भरोसा है। उसे और मजबूत करना है। चिरागग पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में पिछले 10 साल में आगे बढ़ रहा है। हम जैसे युवाओं को प्रधानमंत्री से हमें बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। चिराग ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बहुत बातें हमे बताई. प्रधानमंत्री जी के अनुभव का हमें फायदा होगा। बहुत फॉर्मल बातचीत हुई। क्या 100 दिनों के एजेंडे पर बात हुई? इस पर चिराग ने कहा कि आने वाले दिनों में सब साफ हो जाएगा। प्रधानमंत्री पद के लिए नामित नरेंद्र मोदी की नई मंत्रिपरिषद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मनोहर लाल खट्टर, शिवराज सिंह चौहान, बी संजय कुमार और रवनीत सिंह बिट्टू जैसे नए चेहरों को जगह मिल सकती है। सूत्रों ने बताया कि अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, अश्विनी वैष्णव, निर्मला सीतारमण और मनसुख मांडविया जैसे वरिष्ठ नेताओं की जगह नई सरकार में पक्की मानी जा रही है। सूत्रों ने बताया कि शिवसेना के प्रतापराव जाधव, भाजपा की गुजरात इकाई के अध्यक्ष सी आर पाटिल, ज्योतिरादित्य सिंधिया, राव इंद्रजीत सिंह, नित्यानंद राय, भगीरथ चौधरी और हर्ष मल्होत्रा को भी मंत्री बनाया जा सकता है। सूत्रों ने जिन उक्त नेताओं के नाम बताए, इनमें से सभी ने रविवार को चाय पर मोदी से मुलाकात की। उत्तर प्रदेश से भाजपा सांसद जितिन प्रसाद और महाराष्ट्र से रक्षा खडसे के भी नई सरकार का हिस्सा होने की संभावना है। खडसे ने मीडिया से पुष्टि की कि उन्हें सरकार का हिस्सा बनने के लिए फोन आया है। एक सूत्र ने बताया कि सीतारमण, सर्बानंद सोनोवाल और किरण रिजिजू भी शपथ लेंगे। भाजपा के भीतर ऐसी अटकलें हैं कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को भी सरकार में वापस लाया जा सकता है, जिनका विस्तारित कार्यकाल इस महीने के अंत तक समाप्त हो जाएगा। वह प्रधानमंत्री मोदी के पहले कार्यकाल में मंत्रिपरिषद के सदस्य थे। वह केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री रह चुके हैं। सहयोगी दलों जैसे तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के राम मोहन नायडू और चंद्रशेखर पेम्मासानी, जनता दल (यूनाइटेड) के ललन सिंह और रामनाथ ठाकुर के अलावा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिराग पासवान, हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के जीतन राम मांझी, जनता दल (सेक्यूलर) के एच डी कुमारस्वामी और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के जयंत चौधरी को भी मंत्री बनाए जाने की संभावना है। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते बिट्टू लोकसभा चुनाव हार गए थे, लेकिन उन्हें उनके *प्रोफाइल* के कारण मंत्रिपरिषद में शामिल किया जा सकता है। इसकी मुख्य वजह पंजाब में पैर जमाने की भाजपा को कोशिश हो सकती है। इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा वहां अपना खाता भी नहीं खोल सकी है। तेलंगाना से निर्वाचित संजय कुमार और जी किशन रेड्डी को मोदी के आवास के लिए एक साथ रवाना होते देखा गया और उनके करीबी सूत्रों ने कहा कि उन्हें मंत्री के रूप में शामिल किया जा सकता है। मंत्रिपरिषद के गठन में भाजपा को लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में हुए नुकसान को भी ध्यान में रखना होगा क्योंकि इन दोनों ही राज्यों में भाजपा का प्रदर्शन अपेक्षा के विपरीत रहा है।

पीएम शेख हसीना ने लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात की

नई दिल्ली (हि.स.)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने रविवार को भारत रत्न एवं वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी से नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान आडवाणी की बेटी प्रतिभा आडवाणी भी मौजूद थीं। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना एनडीए के नेता नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए नई दिल्ली में हैं। मोदी आज शाम को राष्ट्रपति भवन में तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। उनके शपथ ग्रहण समारोह में नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, मॉरीशस और सेशल्स के नेता भी शामिल होंगे। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के अलावा ये नेता राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित भोज में भी हिस्सा लेंगे।

पुलवामा से दो आईईडी बरामद

पुलवामा (हि.स.)। पुलवामा जिले के एक खेत से दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद की गई। अधिकारी ने बताया कि रविवार को सुरक्षाबलों को पुलवामा जिले के नेहामा इलाके से दो प्लास्टिक कंटेनरों में जमीन के अंदर दबाई गई आईईडी बरामद हुई। अधिकारियों ने बताया कि बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया और बिना किसी नुकसान के आईईडी को नष्ट कर दिया गया।

बुढ़ीदिहिंग नदी में नहाते समय डूबा किशोर

डिब्रूगढ़ (हिंस)। दुलियाजान में बुढ़ीदिहिंग नदी में नहाते समय एक किशोर के डूब जाने को लेकर सनसनी फ़ैल गई। पुलिस ने आज बताया कि लापता किशोर अपने दोस्तों के साथ बुढ़ीदिहिंग नदी में स्नान करने गया था। लापता किशोर की पहचान टेंगाखाट छोटे अभयापुरिया गांव के कंठी सुतिया के पुत्र प्रतिम सुतिया के रूप में हुई है। वह अपने पांच दोस्तों के साथ बुढ़ीदिहिंग नदी में नहाने गया था। वह नदी में नहा रहा था कि अचानक लापता हो गया। बाद में पुलिस और एसडीआरएफ बलों ने स्थानीय लोगों की मदद से किशोरी की तलाश में तलाशी अभियान शुरू की।

मणिपुर पुलिस ने 65 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 65 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 194 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने मणिपुर के विभिन्न जिलों में 134 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

पृष्ठ एक का शेष

नए केंद्रीय मंत्रियों ...

जिन लोगों को मंत्री पद के लिए चुना गया है, वे *बहुत सक्षम* हैं। निवर्तमान सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा कि वे देश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए *हर संभव प्रयास* करेंगे। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में ठाकुर हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से संसद के निचले सदन के लिए पुन: निर्वाचित हुए हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें हिमाचल प्रदेश में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलेगी, इस पर ठाकुर ने यहां पत्रकारों से कहा कि मैं पहले पार्टी का कार्यकर्ता हूं। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर की जनता ने मुझे लगातार पांचवीं बार लोकसभा के लिए चुना है। पांचवीं बार लोकसभा के लिए चुना जाना अपने आप में बहुत बड़ा सम्मान है। ठाकुर ने कहा कि भाजपा ने मुझे पांच बार लोकसभा चुनाव लड़ने का मौका दिया है। मेरे लिए इससे बड़ा अवसर कोई और नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर काम किया है और आगे भी पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर काम करता रहूंगा। हमारा पूरा प्रयास भारत को प्रगति के पथ पर ले जाना है। हम सब साथ-साथ चलेंगे क्योंकि भारत महत्वपूर्ण है, मोदी सरकार महत्वपूर्ण है और देश की प्रगति महत्वपूर्ण है। ठाकुर ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि मनोनीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश नई ऊंचाइयों को छुएगा और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तथा विकसित देश बनेगा।

मोदी 3.0 : सीसीएस ...

और अन्य दलों के बीच सबकुछ तय हुआ। एनडीए के ये दोनों सहयोगी दल केंद्र में बड़ी भूमिका चाहते थे। लेकिन भाजपा ने मजबूती से अपनी बात रखते हुए कहा कि वह गठबंधन धर्म निभाएगी, लेकिन सिर झुकाकर सरकार नहीं चलाएगी। भाजपा ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा संबंधी समिति (सीसीएस) से जुड़े चारों मंत्रालयों गृह, रक्षा, वित्त और विदेश अपने पास रखने का फैसला किया। किसी भी सरकार को चलाने के लिए इन मंत्रालयों पर नियंत्रण होना जरूरी है। ये मंत्रालय ही मिलकर सीसीएस (कैबिनेट कमिटी ऑन सिक्योरिटी) का गठन करते हैं और बड़े मामलों पर फैसले लेते हैं। यह समिति देश के सुरक्षा मामलों पर फैसले लेने वाली सर्वोच्च संस्था है। प्रधानमंत्री इसके अध्यक्ष होंगे। जबकि गृहमंत्री, वित्त मंत्री, रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री इसके सदस्य। सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर अंतिम फैसला सीसीएस का ही होा है। साथ ही कानून व व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर भी सीसीएस ही अंतिम फैसला लेता है। सीसीएस आंतरिक या बाहरी सुरक्षा पर प्रभाव डालने वाले मामलों को निपटाती है। साथ ही देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अन्य देशों के साथ समझौते से जुड़े मामलों भी संभालती है। इसके अलावा ये समिति आर्थिक, राजनीतिक और परमाणु उर्जा से जुड़े ऐसे सभी मामलों को निपटाती है, जिनका राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रभाव पड़ता है। ये समिति राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संस्थानों या निकायों में अधिकारियों की नियुक्ति पर भी फैसला लेती है। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की नियुक्ति भी शामिल है।

नीट परीक्षा विवाद...

राहुल गांधी ने कहा कि हमने अपने घोषणापत्र में कानून बनाकर छात्रों को पेपर लीक से आजादी दिलाने का संकल्प लिया था। उन्होंने आगे कहा कि आज मैं देश के सभी छात्रों को भरोसा दिलाता हूं कि मैं संसद में आपकी आवाज बनूंगा और आपके भविष्य से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाऊंगा। उन्होंने कहा कि हमने अपने घोषणापत्र में कानून बनाकर छात्रों को पेपर लीक से आजादी दिलाने का संकल्प लिया था। नीट-यूजी मेडिकल प्रवेश परीक्षा में अंकों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए जाने के आरोपों के बीच राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को घोषणा की कि शिक्षा मंत्रालय ने 1,500 से अधिक उम्मीदवारों को दिए गए अनुग्रह अंकों की समीक्षा के लिए चार सदस्यीय पैनल का गठन किया है। एनटीए ने किसी भी अनियमितता से इनकार किया है और कहा है कि एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में किए गए बदलाव और परीक्षा केंद्रों पर समय गंवाने पर दिए गए ग्रेस मार्क्स छात्रों को अधिक अंक मिलने के कुछ कारण हैं। इस मुद्दे ने राजनीतिक मोड़ ले लिया है और कई दलों ने मेडिकल पाठ्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय परीक्षा की प्रामाणिकता पर चिंता जताई है। बता दें कि कांग्रेस ने शुक्रवार को मेडिकल पाठ्यक्रमों के लिए एनईईटी में *अनियमितताओं* की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में उच्च स्तरीय जांच की मांग की और भाजपा पर युवाओं को धोखा देने और उनके भविष्य के साथ खेलने का आरोप लगाया।

जेईई-एडवांस्ड परीक्षा...

आईआईटी संस्थानों में गत वर्ष 17,385 सीटें थी, जिसमें से 13,918 पर छात्रों को एवं 3422 पर छात्राओं को प्रवेश दिया गया था। इस वर्ष 10 प्रतिशत सीटें बढ़ने की उम्मीद है। याद दिला दें कि जेईई-मेन से इस वर्ष 2.50 लाख शीर्ष परीक्षार्थियों को जेईई-एडवांस्ड के लिए क्वालिफाई घोषित किया गया था, लेकिन इनमें से 60 हजार इस कठिन प्रवेश परीक्षा में शामिल नहीं हुये। जेईई-एडवांस्ड का रिजल्ट घोषित होने पर कोचिंग संस्थानों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने ढोल पर झूमते हुये सफलता का जश्न मनाया। कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा के अनुसार, आईआईटी एवं एनआईटी संस्थानों में प्रवेश के लिए जोसा काउंसलिंग 10 जून से प्रारम्भ होगी। यह काउंसलिंग 10 जून से 26 जुलाई के मध्य 5 राउंड में पूरी होगी। काउंसलिंग में सफल विद्यार्थियों को 23 आईआईटी, 32 एनआईटी, 26 ट्रिपलआईटी एवं 40 जीएफटीआई सहित 121 संस्थानों की 600 से अधिक कॉलेज व ब्रांचेज को अपनी रैंक के अनुसार प्राथमिकता के घटते क्रम में भरना है। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के क्लासरूम छात्र वेद लाहोटी ने जेईई-एडवांस्ड का रिकॉर्ड ब्रेक करने की जिद की और उसे पूरा कर दिखाया। उसने 360 में से 355 अंक प्राप्त कर रैंक-1 हासिल की है। जेईई-मेन में उसने 300 में से 295 अंक अर्जित कर एआईआर-119 प्राप्त की है। कक्षा-10वीं 98.6 प्रतिशत और कक्षा-12वीं में 97.6 प्रतिशत प्राप्तांक से उसने अपनी योग्यता को साबित किया। वेद हर बात का तार्किक जवाब लेने में विश्वास रखता है। जेईई-एडवांस्ड में दो सवाल गलत हुए हैं तो उसने चुनौती दी कि ये कैसे गलत हुए। उसकी मां जया गृहिणी और पिता योगेश लाहोटी रिलायंस जीओ में कंस्ट्रक्शन मैनेजर हैं। वेद ने बताया कि मुझे मैथ्स में हर सवाल हल करना पसंद है। उसे शतरंज व क्रिकेट खेलने का शौक है। उसे मां जया और नाना आर सी सोमानी ने आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वह कोटा में पड़ना चाहता था। उसने इंदौर से कक्षा-10 पास करके कोटा में जेईई की तैयारी की और कीर्तिमान बनाने में सफल रहा।

मुंबई एयरपोर्ट पर एक ही रनवे पर दो विमान, डीजीसीए ने की कार्रवाई

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर एक दुर्घटना के बाद कड़ी कार्रवाई करते हुए, जहां इंडिगो की एक उड़ान उसी रनवे पर उतरी, जब एयर इंडिया की एक उड़ान उड़ान भर रही थी, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने रविवार (जून) को 9) घटना में शामिल एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) स्टाफ को पदच्युत कर दिया। लगभग विनाशकारी घटना के संबंध में एक बयान में, डीजीसीए ने कहा कि मुंबई हवाई अड्डे पर घटना में शामिल एटीसी कर्मचारियों को हटा दिया है, जहां इंडिगो की एक उड़ान रनवे 27 पर उतरी थी, जबकि एयर इंडिया की एक उड़ान अभी भी उड़ान भरने की प्रक्रिया में थी। इसके अलावा, घटना के बारे में बात करते हुए, डीजीसीए के एक अधिकारी ने बताया कि गंभीर त्रुटि का मूल कारण निर्धारित करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उपायों को लागू करने के लिए एक जांच स्थापित की गई है। इस बीच, हैरान कर देने वाली घटना के दृश्यों ने इंटरनेट पर तूफान ला दिया है, कई उपयोगकर्ताओं ने समन्वय में गंभीर चूक को उजागर किया है। गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में शनिवार तड़के हुई घटना के तनावपूर्ण क्षण कैद हुए हैं, जिसमें इंदौर के देवी अहिल्याबाई होल्कर हवाई अड्डे से आने वाली इंडिगो की उड़ान 5053, प्रस्थान करने वाली एयर इंडिया की उड़ान 657 के समान रनवे पर उतर रही थी। तिरुवनंतपुरम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए उड़ान भर रहा था। इसके अलावा, विमानवाहक पोत इंडिगो ने भी घटना पर एक बयान जारी किया। इसमें कहा गया कि इंदौर से आने वाली फ्लाइट को एटीसी ने मुंबई एयरपोर्ट पर लैंडिंग की मंजूरी दे दी थी। एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा कि पायलट इन कमांड ने दृष्टिकोण और लैंडिंग जारी रखी और एटीसी निर्देशों का पालन किया।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा जिले के बरमा इलाके में हुई एक सड़क दुर्घटना में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि बीती रात इलाके में आए तूफान की वजह से जगह-जगह बिजली की खंभे गिर गए थे। इसी दौरान रविवार की सुबह श्रीरामपुर के पान व्यापारी नीतुल राय और देवजीत राय साप्ताहिक बाजार की ओर जा रहे थे। मुसलपुर बरमा सड़क पर गिरे बिजली के तार की चपेट में आने से बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में मौके पर ही नीतुल राय की मौत हो गई। जबकि, देवजीत राय को गंभीर अवस्था में इलाज के लिए गुवाहाटी भेजा गया है।

गुवाहाटी में हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में हेरोइन के साथ एक तस्कर को आज गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एसओजी मध्य जिला और पलटन बाजार थाना की टीम ने गांधी मंडप तिनीआली के पास से अजीबर रहमान (31) को 21.50 ग्राम संदिग्ध हेरोइन और स्कूटी (एएस 01 डीएन 8442) के साथ गिरफ्तार किया। कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

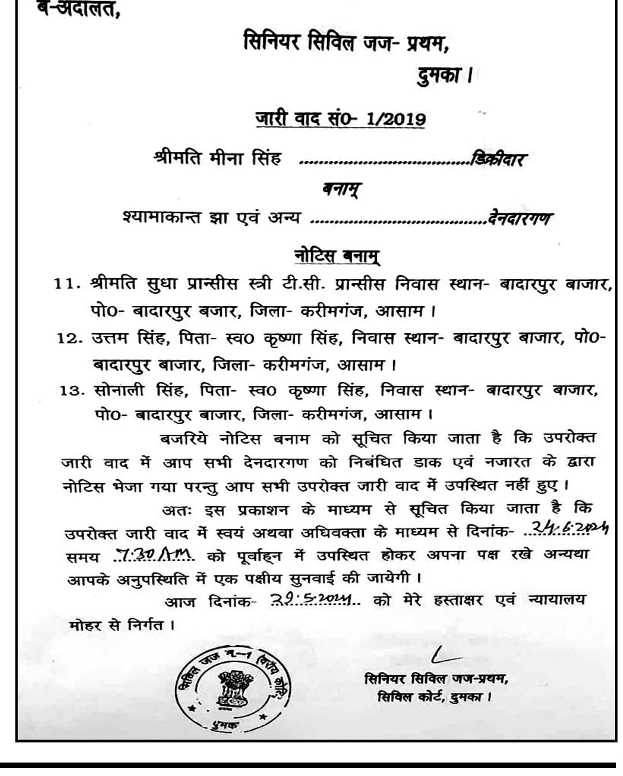

कोर्ट नोटिस

ब-अदालत,

सिनियर सिविल जज- प्रथम,
दुमका।

जारी वाद सं0- 1/2019

श्रीमति मीना सिंह ....डिक्रीदार

बनाम्

श्यामाकान्त झा एवं अन्य ....देनदारगण

नोटिस बनाम्

11. श्रीमति सुधा प्रान्सीस स्त्री टी.सी. प्रान्सीस निवास स्थान- बादारपुर बाजार, पो0- बादारपुर बजार, जिला- करीमगंज, आसाम।
12. उत्तम सिंह, पिता- स्व0 कृष्णा सिंह, निवास स्थान- बादारपुर बाजार, पो0- बादारपुर बाजार, जिला- करीमगंज, आसाम।
13. सोनाली सिंह, पिता- स्व0 कृष्णा सिंह, निवास स्थान- बादारपुर बाजार, पो0- बादारपुर बाजार, जिला- करीमगंज, आसाम।

बजरिये नोटिस बनाम को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त जारी वाद में आप सभी देनदारगण को निबंधित डाक एवं नजारत के द्वारा नोटिस भेजा गया परन्तु आप सभी उपरोक्त जारी वाद में उपस्थित नहीं हुए।

अतः इस प्रकाशन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उपरोक्त जारी वाद में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 24.6.2024 समय 7.30 A.M. को पूर्वाह्न में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखे अन्यथा आपके अनुपस्थिति में एक पक्षीय सुनवाई की जायेगी।

आज दिनांक- 31.5.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मोहर से निर्गत।

सिनियर सिविल जज-प्रथम,
सिविल कोर्ट, दुमका।

तापमान
अधिकतम 32⁰ न्यूनतम 25⁰

मंगलदै में लगी भीषण आग में दो घर जलकर राख

मंगलदै (हिंस)। मंगलदै में लगी भीषण आग में दो घर जलकर राख हो गए। पुलिस ने आज बताया कि यह आग मंगलदै के बांदिया चौक पर लगी। आग हजरत अली नामक व्यक्ति के घर से लगी। आग में दो घर पूरी तरह जलकर राख क हो गए। नकदी के साथ लाखों रुपए की संपत्ति के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। संपत्ति के साथ कई दस्तावेज भी नष्ट हो गए। आशंका जताई जा रही है कि सिलिंडर लीक होने से आग लगी। फायर ब्रिगेड के जवानों के समय पर पहुंचने से बांदिया चौक की दुकानों के अधिक नुकसान होने से बच गई।

बांग्लादेशी तस्कर को बीएसएफ के जवानों ने मारी गोली, सीमा पर तनाव

अगरतला (हिंस)। सिपाहीजला जिला अंतर्गत कलमछोड़ा बीओपी के पास गश्त के दौरान सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने एक बांग्लादेशी तस्कर को गोली मार दी। बीएसएफ ने एक बयान में कहा कि आज, सुबह लगभग 7:30 बजे बीएसएफ के जवान भारतीय क्षेत्र के 150 गज के भीतर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार तस्कर भारतीय सामान की तस्करी करने की कोशिश कर रहे थे। जब बीएसएफ ने उन्हें रोका तो तस्करों ने राजीव कुमार नाम के जवान पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। तस्कर आक्रामक हो गए और उन्होंने एक बीएसएफ जवान को घेर लिया। उसकी बंदूक छीनने की कोशिश की। इसके बाद जवानों ने आत्मरक्षा में सरकारी संपत्ति पर पीएजी फायर का एक राउंड फायर किया। पीएजी की फायरिंग से तस्कर बिल्कुल भी भयभीत नहीं हुए। इसके बजाय, वे और अधिक खतरनाक हो गए और जवान राजीव कुमार पर हमला करने का प्रयास किया। इसके बाद बीएसएफ जवान राजीव कुमार को अपनी इंसास राइफल से एक राउंड फायर करने के लिए मजबूर होना पड़ा। जिसके चलते एक तस्कर की मौत हो गई। मृतक तस्कर की पहचान बांग्लादेश के कोमिला जिला के मीरपुर के वार्ड नंबर 5 निवासी चिरू मियां के 35 वर्षीय पुत्र अनवर हुसैन के रूप में की गई है। बीएसएफ ने सीमा क्षेत्र से भारी मात्रा में चीनी, चाकू और लकड़ी के तख्ते बरामद किए हैं। घटना को लेकर संबंधित इलाकों में तनाव है।

हिंदी फिल्म *कूकी* 28 को होगी रिलीज

गुवाहाटी (हिंस)। असमिया कला संस्कृति को संजोए, हिंदी फिल्म *कूकी* रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। एक किशोर लड़की की क्रूर वास्तविकता की कहानी का खुलासा करने वाली फिल्म *कूकी* 28 जून को रिलीज होगी। दरंग जिला के मंगलदोई प्रेस क्लब में पहुंची फिल्म की टीम ने मीडिया से बात करते हुए फिल्म *कूकी* के बारे में बताया। हिंदी फिल्म *कूकी* की कहानीकार डॉ. जुनमोनी खाउंड के अनुसार, वास्तव में, *कूकी* एक आंदोलन है। इस आंदोलन को जीतने के लिए न्याय व्यवस्था सख्त होनी चाहिए, प्रशासनिक तंत्र और समाज के सभी लोगों को जागरूक होना होगा। तभी सभी किशोर लड़कियों और युवतियों को *कूकी* द्वारा सामना की जाने वाली अवांछित परिवेश की परिस्थितियों से बचाया जा सकेगा। डॉ. जुनमोनी खाउंड ने बताया कि यह फिल्म 28 जून को असम समेत देशभर के 100 सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं फिल्म अमेरिका, कनाडा, इंडोनेशिया, नेपाल, फ्रांस आदि देशों के सिनेमा हॉलों में भी चरणबद्ध तरीके से रिलीज की जाएगी। इस दौरान प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक समरेंद्र नारायण देव भी मौजूद थे। उन्होंने बताया कि फिल्म रितिशा खाउंड ने शीर्ष भूमिका निभाई है। इसके अलावा फिल्म में मुंबई स्थित एक्टर्स राजेश टाइलांग, रितु शिवपुरी, देबोलीना भट्टाचार्य, दीपांदिता शर्मा, बोधिसत्व शर्मा, विभूतिभूषण हजारिका, मनोज बरकटकी, मृगेंद्र नारायण कोंवर, कमल लोचन, बनदीप शर्मा आदि ने अभिनय किया है। इस फिल्म का निर्देशन प्रणब जे डेका और पल्लब तामुली और सौरव ज्योति महंत ने संगीतबद्ध किया है। इसके लिए सिनेमेटोग्राफी ज्ञान गौतम ने की है। झूलन कृष्ण महंत का संपादन, ध्वनि अमृत प्रीतम (मुंबई), शब्द मिश्रण देबजीत चांगमाई (मुंबई) ने किया है।

सुदर्शनालय में नारद जयंती कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। विश्व संवाद केंद्र असम द्वारा राजधानी के सुदर्शनालय में वार्षिक देवर्षि नारद जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विश्व के प्रथम पत्रकार नारद मुनि की प्रासंगिकता पर व्याख्यान दिया गया। रविवार की शाम 4 बजे से शुरू हुए इस कार्यक्रम में कई कार्यरत पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में दूरदर्शन के वरिष्ठ सलाहकार संपादक अशोक श्रीवास्तव उपस्थित रहे। इस वर्ष का नारद जयंती पुरस्कार असम ट्रिब्यून के कार्यकारी संपादक प्रशांत ज्योति बरुवा को प्रदान किया गया, जबकि दिगंत गोस्वामी (दैनिक अग्रदूत), पद्मिनी हजारिका (असमिया प्रतिदिन) और राजू बरुवा (एनडी24) को सम्मानित किया गया। विश्व संवाद केंद्र, असम के सचिव किशोर शिवम ने बताया कि पुरस्कार में प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार दिए गए। पिछले साल नारद जयंती पुरस्कार वरिष्ठ पत्रकार रूपम बरुवा को दिया गया था, जहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक नरेंद्र कुमार देव ने बतौर वक्ता वार्षिक समारोह की शोभा बढ़ाई थी। पुरस्कार ग्रहण करते हुए बरुवा ने अपने विचार व्यक्त किये। वहीं मुख्य वक्ता अशोक श्रीवास्तव ने देवर्षि नारद के साथ देश की राजनीति से लेकर विभिन्न आयामों के बारे में प्रकाश डाला। पिछले दिनों देश में जिस तरह के माहौल रहे उसको उन्होंने बड़ी बेबाकी के साथ उपस्थित लोगों के सामने रखा।

सिपाझाड़ में गांजा के साथ तीन युवक गिरफ्तार

दरंग (हिंस)। दरंग जिले के सिपाझाड़ में बीती रात गांजा के साथ तीन युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सिपाझाड़ पुलिस ने आज बताया है कि सिपाझाड़ पुलिस ने तीनों युवकों को सिपाझाड़ के शिंगीमारी से एक ही गांव से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तीनों की पहचान जियाउल हक, गियासुद्दीन अहमद और आलामिन हक के रूप में की गई है। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि तीनों पूर्व की तरह गांजा बेचने के लिए पहुंचे थे। फिलहाल दरंग पुलिस सिपाझाड़ थाने में तीनों से गहन पूछताछ कर रही है। साथ ही इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है।

इंफाल पश्चिम से आरपीएफ पीएलए सदस्य गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन आरपीएफ-पीएलए के एक सक्रिय सदस्य लैशराम मिलन सिंह को इंफाल पश्चिम जिले के थंगल बाजार से गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार कैडर के पास से एक मोबाइल फोन, एक आधार कार्ड और 310 रुपये, एक दोपहिया वाहन बरामद किया गया। उसके विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की गई।

पत्थर लेकर जा रहा अनियंत्रित डंपर घर में घुसा

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिलांतर्गत नाजीरा के मेजेंगा केतेकीबाड़ी में आज तड़के एक तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर एक घर में घुस गया। इस हादसे के दौरान घर में मौजूद लोगों की जान बाल-बाल बच गई। मिली जानकारी के अनुसार रविवार की तड़के पत्थर लेकर जा रहा तेज रफ्तार डंपर (एएस-04बीसी-2656) अनियंत्रित होकर सिराज अली के घर में घुस गया। हादसे के समय डंपर नाजीरा से ऐतिहासिक धोदर आली रोड से होकर गुजर रहा था। स्थानीय लोगों ने बताया है कि डंपर सड़क किनारे खड़े बिजली के एक खंभे को भी जोरदार टक्कर मार दिया, जिसके चलते घर में मौजूद लोगों की जान बच गई। ज्ञात हो कि खंभे से टकराने के बाद उसकी रफ्तार कुछ कम हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची नाजीरा पुलिस ने डंपर के ड्राइवर और खलासी को हिरासत में ले लिया है।

तीन लाख रुपए से अधिक मूल्य के गांजा के साथ महिला गिरफ्तार

बंगाईगांव (हिंस)। बंगाईगांव जिलांतर्गत गेरुकाबाड़ी में बीती रात एक महिला को 3 लाख रुपए से अधिक मूल्य के गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। गेरुकाबाड़ी पेट्रोलिंग पुलिस चौकी की पुलिस के अभियान में गांजा जब्त किया गया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर गेरुकाबाड़ी निवासी गौरी चौहान (54) के घर से सटे पान की दुकान से गांजा जब्त किया गया। जब्त गांजा की बाजार कीमत 3.5 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस को देख गांजा की तस्करी में लिप्त गौरी चौहान फरार होने की कोशिश की। पुलिस ने उसका पीछा कर उसे गिरफ्तार कर लिया। भागने के क्रम में गांजा तस्कर गौरी चौहान घायल हो गई। उसे पुलिस ने मानिकपुर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। साथ ही पुलिस ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

पगलाहाट पुलिस ने तस्करी की 9 गायों को किया जब्त

धुबड़ी (हिंस)। प्रदेश में मवेशियों की तस्करी का सिलसिला जारी है। गौ तस्करों को पुलिस की कड़ी सुरक्षा का तनिक भी डर नहीं लग रहा है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि पगलाहाट पुलिस ने तस्करी की नौ गायों को बीती रात जब्त करने में कामयाबी हासिल की है। इस इलाके में पहले भी पुलिस कई बार पशुओं को बचाने के साथ ही तस्करों को गिरफ्तार कर चुका है। ज्ञात हो कि पुलिस की आंखों में धूल झोंकते हुए तस्करों ने पशुओं को पगलाहाट के हाजीरहाट गांव में छिपा दिया था। बाद में जब स्थानीय लोगों को इसकी जानकारी हाथ लगी तो उन्होंने इसकी सूचना पगलाहाट पुलिस को दी।

महेश्वरी महिला मंडल का बंगाईगांव में साड़ी परिधान पर वाकेथन

बंगाईगांव। नारी का मान और सम्मान हैं, साड़ी जीवन की शान है। इसी उद्देश्य के मद्देनजर अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन के आह्वान पर तथा अष्टसिद्धा एवं सांस्कृतिक सिद्धा समिति द्वारा महेश नवमी के उपलक्ष में देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजन के साथ महेश्वरी महिला मंडल, बंगाईगांव के आयोजकत्व में भी बंगाईगांव में शनिवार को साड़ी वाकेथन (रैली) का भव्य आयोजन किया गया। यह साड़ी वाकेथन यात्रा थीम पार्क से शुरू होकर पगलास्थान होते हुए बी ओ सी गेट स्थित श्री हनुमान मंदिर में समापन हुआ। साड़ी वाकेथन में साड़ी परिधान में महारानी लक्ष्मी बाई एवं सुषमा स्वराज की सजीव झांकीयां विशेष आकर्षण का केन्द्र थी एवं मधुर संगीत के साथ यह रैली अपने गंतव्य स्थान तक पहुंची तथा अन्य समाज की महिलाओं ने भी लाल पीली साड़ी पहनकर इसमें सक्रियता से भाग लिया। श्री हनुमान मंदिर के प्रांगण में पहुंचने के पश्चात माननीय सांसद श्री फनी भूषण चौधरीजी की धर्मपत्नी एवं कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती दीप्ति चौधरी ने एक फ्लेयर बोर्ड का अनावरण किया। इसके पहले मुख्य अतिथि का दुपट्टा व फूल का गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती दिप्ती चौधरी एवं पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन, बंगाईगांव महिला शाखा की अध्यक्षा श्रीमती मंजू दुगड़ ने अपने विचार व्यक्त करते वक्त बंगाईगांव महेश्वरी महिला मंडल को धन्यवाद दिया कि उन्होंने साड़ी वाकेथन जैसा सुन्दर सनातन संस्कृति से ओतप्रोत कार्यक्रम का आयोजन किया। इस फ्लेयर बोर्ड के माध्यम से हमारी सनातन परंपरा एवं सांस्कृतिक गौरव बढ़ाने के लिए हमारे देवालयों में सालीन भारतीय वेशभूषा विशेष कर साड़ी पहनकर आने का विनम्र निवेदन किया गया है। आज की इस भाग दौड़ की जिंदगी में महिलाओं में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक अनुष्ठानों में तथा मंदिरों में साड़ी पहनकर सम्मिलित होने का चलन कम होता जा रहा है जो की आने वाली पीढ़ी के लिए अच्छा संकेत नहीं है। इसी को ध्यान में रखते हुए तथा साड़ी परिधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पूरे देश में महेश्वरी महिला समाज द्वारा साड़ी वाकेथन नामक एक अनोखे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती प्रेमलता चांडक द्वारा कार्यक्रम के उद्देश्य व्याख्या की गई एवं निवर्तमान अध्यक्षा श्रीमती नीतू तूवाणी ने कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। सचिव श्रीमती अलका बागड़ी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया एवं महिलाओं द्वारा दिए गए सक्रिय सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। जल एवं ठंडी लस्सी के वितरण के साथ साड़ी वाकेथन का सफल समापन हुआ।

एसएसबी ने भूटानी शराब को किया जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। सीमा चौकी दादगिरी के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय भारत-भूटान सीमा स्तंभ संख्या-169/5 से 20 मीटर भारत की ओर भारत-भूटान गेट के पास वाहन चेकिंग के दौरान भूटान से भारत की ओर आ रहे मारुती अल्टो (रजिस्ट्रेशन न. एएस -19- बी -1906) को संदेहात्मक तौर पर रोक कर वाहन चालक से पूछताछ व चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान उक्त वाहन में भूटानी ब्लैक माउन्टेन व्हिस्की-12 बोतल एवं सुपर स्ट्रांग बियर 108 बोतल पाया गया। जब शराब से संबंधित दस्तावेज की मांग की गई तो वाहन चालक किसी प्रकार के दस्तावेज चेकिंग टीम को प्रस्तुत नहीं कर पाया। वाहन चालक की पहचान भुपन सुत्रधार, पिता-बिसुतराम सुत्रधार, उम्र-26 वर्ष, ग्राम-हातीसार, पोस्ट-देवश्री, थाना-वासुगांव, जिला-चिरांग, (असम) के रूप में की गई। जब्त की गई अवैध शराब व वाहन सहित चालक को लैंड कस्टम ऑफिस हातीसार में अग्रिम कार्रवाई हेतु सुपुर्द किया गया। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के द्वारा लगातार चलाए गए प्रचालन गतिविधियों के कारण भारत-भूटान सीमा पर तस्करों की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगा है।

सौमित्रम की पुस्तक का विमोचन

गुवाहाटी। महानगर स्थित श्रीनगर में आयोजित एक कार्यक्रम में पेशे से पत्रकार एवं हृदय से कवि सौमित्रम् की पुस्तक *असम के विकास में आगरवाला परिवार का अवदान* का विमोचन हुआ। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉटन कॉलेज के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अमूल्य चंद्र बर्मण ने की। इस अवसर पर डॉ. अमूल्य चंद्र बर्मण के अतिरिक्त किशोर जैन एवं विनोद रिंगानिया मंच पर उपस्थित थे। इस दौरान अतिथियों को फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। वहीं सभी वक्ताओं ने सौमित्रम की पुस्तक के प्रकाशन की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि संप्रति असम में हिंदी में कम ही संख्या में पुस्तकें लिखी जा रही हैं। लेकिन सौमित्रम् असम की पृष्ठभूमि पर आधारित पुस्तक लेखन और प्रकाशन के प्रति सतत् प्रयासरत हैं, जो प्रशंसनीय है और यह असम में हिंदी के भविष्य के लिए शुभ संकेत है। वक्ताओं ने कहा कि ज्योतिप्रसाद आगरवाला परिवार पर पुस्तक लिखना इसलिए, महत्वपूर्ण है क्योंकि इस परिवार के तीन लोगों ने असमिया साहित्य और संस्कृत के विकास के लिए अपना अमूल्य योगदान देकर इसे शिखर पर पहुंचाया। इस परिवार के नामोल्लेख के बिना असमिया साहित्य और संस्कृति की चर्चा अधूरी है।

तेरापंथी सभा व तेयुप का शपथ विधि समारोह संपन्न

गुवाहाटी। आचार्य महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि प्रशांत कुमार एवं मुनि कुमुद कुमार के पावन सान्निध्य में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, गुवाहाटी (सत्र-2024-26) एवं तेरापंथ युवक परिषद, गुवाहाटी (सत्र-2024-25) का शपथ विधि समारोह रविवार को सुबह 9 बजे भगवान महावीर धर्मस्थल में जैन संस्कार विधि से आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुनिश्री द्वारा नमस्कार महामंत्र से किया गया। सभा गीत एवं विजय गीत का संगान विनीत चिंडालिया एवं साथियों ने किया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन एवं स्वागत भाषण सभाध्यक्ष बजरंग कुमार सुराणा ने दिया तथा नवनिर्वाचित अध्यक्ष बाबूलाल सुराणा को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई। तत्पश्चात उपाध्यक्ष पवन जम्मड़ व रायचंद पटावरी, मंत्री राजकुमार बैद, सहमंत्री राकेश जैन व अशोक बोरड़, कोषाध्यक्ष छतरसिंह भादानी व संगठन मंत्री विनोद बोरड़ को महासभा के उपाध्यक्ष विजय चोपड़ा ने शपथ दिलवाई। 42 सदस्यीय कार्यकारिणी सदस्यों को सभा के चुनाव अधिकारी सीए, मनोज नाहटा ने शपथ दिलवाई। तेयुप अध्यक्ष जयंत सुराणा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष सतीश भादानी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। तत्पश्चात उपाध्यक्ष विकास नाहटा व नवीन भंसाली, मंत्री पंकज सेठिया, सहमंत्री गौतम बैद व राहुल नाहटा, कोषाध्यक्ष मुकेश बरड़िया तथा संगठन मंत्री अंकुश महणोत को तेयुप चुनाव अधिकारी सुशील डागा ने शपथ दिलाई। साथ ही समस्त कार्यकारिणी सदस्यों को पूर्व अध्यक्ष एवं टीपीएफ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मल कोटेचा ने शपथ दिलवाई। दोनों संस्थाओं ने नवनिर्वाचित अध्यक्षों ने अपने प्रेरणा पाथेय में सभी लोगों से समाज में समन्वय का परिचय देने एवं सभी संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर नवनिर्वाचित सभाध्यक्ष बाबूलाल सुराणा एवं तेयुप नवनिर्वाचित अध्यक्ष सतीश भादानी का विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने फुलाम गामोछा एवं साहित्य देकर स्वागत-अभिनंदन किया। महासभा के उपाध्यक्ष बसंत कुमार सुराणा, गुवाहाटी सभा के प्रभारी मांगीलाल बोथरा, सभा के चुनाव अधिकारी सीए मनोज नाहटा, तेयुप के सह-चुनाव अधिकारी अजय भंसाली ने अपने संबोधन में नवनिर्वाचित अध्यक्षों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। महासभा के ट्रस्टी प्रताप कोचर, जैन विश्व भारती के ट्रस्टी उत्तमचंद नाहटा, एटीएमआरएफ के अध्यक्ष विजयराज डोसी, महिला मंडल की अध्यक्ष अमराव देवी बोथरा एवं मंत्री ममता दुगड़, टीपीएफ के मंत्री पुखराज सेठिया, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष बजरंग बैद ने नई टीमों को अपनी शुभकामनाएं दी। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में सभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष बाबूलाल सुराणा ने सफलतम कार्यकाल के लिए निवर्तमान अध्यक्ष बजरंग कुमार सुराणा एवं उनकी टीम को एवं तेयुप के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सतीश भादानी ने निवर्तमान अध्यक्ष जयंत सुराणा एवं उनकी टीम को हार्दिक बधाई दी तथा अध्यक्ष निर्वाचित करने के लिए संपूर्ण समाज का आभार प्रकट किया एवं सबको साथ लेकर कार्य करने की घोषणा की। इस अवसर पर 9 की तपस्या के साथ उपस्थित कमलेश बोथरा के तप की सभी संघीय संस्थाओं ने अनुमोदना की। संपूर्ण कार्यक्रम का कुशल संचालन सभा के कार्यकारिणी सदस्य राजेश जमड़ ने किया। धन्यवाद ज्ञापन सभा के नवमनोनीत मंत्री राजकुमार बैद ने किया। इस आशय की जानकारी कार्यकारिणी सदस्य संजय चौरड़िया ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

संपादकीय

सच स्वीकार करे कांग्रेस

लोकसभा चुनाव के परिणाम से कांग्रेस इतनी अधिक उत्साहित है कि वह जनादेश को स्वीकार नहीं कर पा रही है। कांग्रेस के नेताओं की ओर से लगातार जनादेश का उपहास उड़ाया जा रहा है। कांग्रेस को न जाने क्यों ऐसा लग रहा है कि जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार के खिलाफ जनादेश दिया है। यह माना कि भाजपा को अकेले बहुमत नहीं आया लेकिन भाजपा गठबंधन के साथ चुनाव लड़ रही थी और उसके गठबंधन को तीसरी बार सरकार बनाने के लिए स्पष्ट जनादेश मिला है। आश्चर्य है कि अपनी स्थिति का मूल्यांकन करने की अपेक्षा कांग्रेस भाजपा को बहुमत नहीं मिलने से अधिक खुश है। कांग्रेस को गंभीरता से चिंतन करना चाहिए कि उसके नेता राहुल गांधी ने दो बार 'भारत जोड़ो यात्रा' निकालकर माहौल बनाने की कोशिश की। मतदाताओं को अनेक प्रकार के लुभावने वायदे किए। यहाँ तक कि महिलाओं को प्रतिमाह साढ़े आठ हजार रुपये नकद भुगतान तक का प्रलोभन दिया। जिसका परिणाम यह हुआ कि उत्तरप्रदेश में कांग्रेस कार्यालयों पर महिला मतदाता हर महीने साढ़े आठ हजार रुपये पाने के लिए 'कांग्रेस का गारंटी कार्ड' लेकर पहुँच रही हैं। जाति की राजनीति का भरपूर उपयोग किया। मुसलमानों को भाजपा के विरुद्ध लामबंद करने में भी कांग्रेस सफल रही। इसके साथ ही आरक्षण खत्म करने और संविधान बदलने का डर दिखाया। इसके बाद भी कांग्रेस कहाँ पहुँची? सब प्रकार से आक्रामक रणनीति बनाने के बाद भी कांग्रेस दहाई के अंक को पार नहीं कर पायी। उसकी गाड़ी केवल 99 पर अटक गई। यदि देश की जनता प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के विरुद्ध जनादेश देती, तो कांग्रेस की झोली भर जाती। जिस प्रकार 2014 में देश की जनता ने कांग्रेसनीत यूपीए सरकार के विरुद्ध जनादेश दिया था। कांग्रेस को बहुमत तो छोड़िए, बहुमत से आधी सीटें भी नहीं मिली हैं। इसके बाद भी वह अंहकार के शीर्ष पर विराजमान हो गई है। बीते एक दिन में इस प्रकार का वातावरण बनाया कि कांग्रेस सहित विपक्षी गठबंधन के नेताओं को जोड़-तोड़ से सरकार बनाने के सपने आने लगे लेकिन उनकी आँखों से पर्दा तब हटा जब सब एकसाथ बैठे। उन्हें ध्यान आया कि बहुत कोशिश करेंगे तब भी बहुमत का आंकड़ा पार करना आसान नहीं होगा। इसलिए सरकार बनाने के सवाल पर कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को कहना पड़ा कि "सही समय पर सही फैसला लेंगे"। लोकतंत्र और संविधान की दुहाई देनेवाले किस प्रकार से सत्ता पाने का सपना देख रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश तो लगातार टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू और जेडीयू के नेता नीतीश कुमार को पुराने बयान याद दिलाकर उन्हें भाजपा के साथ गठबंधन तोड़ने के लिए उकसा रहे हैं। अगर बयानों को ही देखना है तब जयराम रमेश को आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और वामपंथी दलों के नेताओं के बयानों को देख लेना चाहिए। उद्धव ठाकरे और शरद पवार ने पूर्व में कांग्रेस को लेकर क्या-क्या कहा है, यह भी उन्हें पता ही होगा। जयराम रमेश भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी को आईना दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्हें बहुमत नहीं मिला है, इसलिए उन्हें नैतिक रूप से सरकार नहीं बनानी चाहिए। तब जयराम रमेश बताएं कि पूर्व में कांग्रेस ने 145 और 206 सीटें पाकर भी सरकार क्यों बनायी थी? तब नैतिकता का तकाजा कहाँ गया था? यदि अभी एनडीए सरकार नहीं बनाए तो कौन बनाएगा? क्या कांग्रेस को बहुमत मिला है? क्या उसके गठबंधन को बहुमत मिला है? जबकि विपक्ष के गठबंधन में शामिल कई पार्टियां तो गठबंधन से बाहर रहकर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ी थीं। इसके बाद भी इंडी गठबंधन को तो अकेले भाजपा से भी कम सीटें आई हैं। लेकिन इसके बाद भी कांग्रेस न जाने किस खुमारी में है। संभव है कि कांग्रेस के नेता इतना अधिक उत्साह इसलिए भी दिखा रहे हों ताकि एक के बाद एक पराजय से उसके कार्यकर्ताओं में निराशा न आ जाए। झूठी खुशी से ही सही, कार्यकर्ताओं का उत्साह तो बना रहे। परंतु, इस प्रकार से कांग्रेस का भला नहीं होगा। कांग्रेस को चाहिए कि वह बनावटी खुशी से बाहर निकले और ईमानदारी से अपनी पराजय का विश्लेषण करे।

कांग्रेस के नेताओं की ओर से लगातार जनादेश का उपहास उड़ाया जा रहा है। कांग्रेस को न जाने क्यों ऐसा लग रहा है कि जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार के खिलाफ जनादेश दिया है। यह माना कि भाजपा को अकेले बहुमत नहीं आया लेकिन भाजपा गठबंधन के साथ चुनाव लड़ रही थी और उसके गठबंधन को तीसरी बार सरकार बनाने के लिए स्पष्ट जनादेश मिला है। आश्चर्य है कि अपनी स्थिति का मूल्यांकन करने की अपेक्षा कांग्रेस भाजपा को बहुमत नहीं मिलने से अधिक खुश है। कांग्रेस को गंभीरता से चिंतन करना चाहिए कि उसके नेता राहुल गांधी ने दो बार 'भारत जोड़ो यात्रा' निकालकर माहौल बनाने की कोशिश की। मतदाताओं को अनेक प्रकार के लुभावने वायदे किए। यहाँ तक कि महिलाओं को प्रतिमाह साढ़े आठ हजार रुपये नकद भुगतान तक का प्रलोभन दिया। जिसका परिणाम यह हुआ कि उत्तरप्रदेश में कांग्रेस कार्यालयों पर महिला मतदाता हर महीने साढ़े आठ हजार रुपये पाने के लिए 'कांग्रेस का गारंटी कार्ड' लेकर पहुँच रही हैं। जाति की राजनीति का भरपूर उपयोग किया।

भारत की आर्थिक विकास दर 7.8 प्रतिशत रही है जो पिछले वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में 6.1 प्रतिशत रही थी

आर्थिक विकास के दृष्टि से वित्तीय वर्ष 2023-24 भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ

प्रह्लाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत की आर्थिक विकास दर 7 प्रतिशत की रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक एवं वैश्विक स्तर पर कार्यरत विभिन्न वित्तीय संस्थानों ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगाते हुए कहा था कि यह 7 प्रतिशत के आसपास रहेगी। परंतु, वित्तीय 2023-24 के दौरान भारत की आर्थिक विकास दर इन अनुमानों से कहीं अधिक रही है।

हाल ही में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए विकास से सम्बंधित आंकड़े जारी किये गए है। इसके अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत की आर्थिक विकास दर 7 प्रतिशत की रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक एवं वैश्विक स्तर पर कार्यरत विभिन्न वित्तीय संस्थानों ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगाते हुए कहा था कि यह 7 प्रतिशत के आसपास रहेगी। परंतु, वित्तीय 2023-24 के दौरान भारत की आर्थिक विकास दर इन अनुमानों से कहीं अधिक रही है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में भी भारत की आर्थिक विकास दर 7.8 प्रतिशत रही है जो पिछले वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में 6.1 प्रतिशत रही थी। पूरे विश्व में प्रथम 10 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की आर्थिक विकास दर भारत की आर्थिक विकास दर के कहीं आसपास भी नहीं रही है। अमेरिका की आर्थिक विकास दर 2.3 प्रतिशत, चीन की आर्थिक विकास दर 5.2 प्रतिशत, जर्मनी की आर्थिक विकास दर तो ऋणात्मक 0.3 प्रतिशत रही है। जापान की आर्थिक विकास दर 1.92 प्रतिशत, ब्रिटेन की 0.1 प्रतिशत, फ्रान्स की 0.9 प्रतिशत, ब्राजील की 2.91 प्रतिशत, इटली की 0.9 प्रतिशत एवं कनाडा की 1 प्रतिशत रही है, वहीं भारत की आर्थिक विकास दर 8.2 प्रतिशत रही है। 8 प्रतिशत से अधिक की विकास दर को देखते हुए अब तो ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2027 तक जर्मनी एवं जापान की अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था निश्चित ही बन जाएगा। विनिर्माण, खनन, भवन निर्माण एवं सेवा क्षेत्र, यह चार क्षेत्र ऐसे हैं जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद को तेजी से आगे बढ़ाने में अपना विशेष योगदान देते हुए नजर आ रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के चलते ही सम्भव हो पा रहा है। वास्तविक सकल मान अभिवृद्धि के आधार पर, वित्तीय वर्ष 2023-24 की चतुर्थ तिमाही में विनिर्माण के क्षेत्र में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 की इसी अवधि में केवल 0.9 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी थी। इसी प्रकार, खनन के क्षेत्र में भी इस वर्ष की चतुर्थ तिमाही में वृद्धि दर 4.3 प्रतिशत की रही है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 2.9 प्रतिशत की रही थी। भवन निर्माण के क्षेत्र में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की गई है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 7.4 प्रतिशत की रही थी। नागरिक प्रशासन, सुरक्षा एवं अन्य सेवाओं के क्षेत्र में वृद्धि दर 4.7 प्रतिशत से बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई है। ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि दर पिछले वर्ष की चौथी तिमाही में 7.3 प्रतिशत से बढ़कर इस वर्ष चौथी तिमाही में 7.7 प्रतिशत पर पहुंच गई है। परंतु, कृषि, सेवा एवं वित्तीय क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में कुछ कम रही है। वैश्विक स्तर पर अन्य देशों के सकल घरेलू उत्पाद में लगातार कम हो रही वृद्धि दर के बावजूद भारत के सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि दर का होना यह दर्शाता है कि अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं में आ रही परेशानियों का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर नहीं के बराबर हो रहा है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी आंतरिक शक्ति के बल पर तेज गति से आर्थिक वृद्धि करने में सफल हो रही है। परंतु, भारत में कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं जिन पर, आर्थिक विकास की गति को और अधिक तेज करने के उद्देश्य से विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

जैसे, हाल ही के समय में भारत में निजी खपत नहीं बढ़ पा रही है और यह 4 प्रतिशत की दर पर ही टिकी हुई है। साथ ही, निजी क्षेत्र में पूंजी निवेश भी नहीं बढ़ पा रहा है। भारत में निजी खपत कुल सकल घरेलू उत्पाद का 60 प्रतिशत है। यदि सकल घरेलू उत्पाद के इतने बड़े हिस्से में वृद्धि नहीं होगी अथवा कम वृद्धि दर होगी तो देश में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी विपरीत रूप से प्रभावित होगी। भारत में निजी खपत इसलिए भी नहीं बढ़ पा रही है क्योंकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में घरेलू देयताएं सकल घरेलू उत्पाद के 5.7 प्रतिशत के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गईं हैं एवं बचत की दर भी सकल घरेलू उत्पाद के 5.2 प्रतिशत पर अपने निचले स्तर पर आ गई है, जो 10 वर्ष पूर्व 7 प्रतिशत से अधिक थी। वहीं दूसरी ओर, दिसम्बर 2023 के प्रथम सप्ताह में भारत ने फ्रांस एवं ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में पूरे विश्व में पांचवा स्थान हासिल कर लिया था। भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, जापान एवं हांगकांग थे। परंतु, केवल दो माह से भी कम समय में भारत ने शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में हांगकांग को पीछे छोड़ते हुए विश्व में चौथा स्थान प्राप्त कर लिया है। भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक का हो गया है। अब ऐसा आभास होने लगा है कि भारत अर्थ के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में नैशनल स्टॉक एक्स्चेंज पर लिस्टेड समस्त कम्पनियों के कुल बाजार पूंजीकरण का स्तर 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर जुलाई 2017 में पहुंचा था और लगभग 4 वर्ष पश्चात अर्थात मई 2021 में 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया था तथा केवल लगभग 2.5 वर्ष पश्चात अर्थात दिसम्बर 2023 में यह 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर गया था और अब यह 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर से भी आगे निकल गया है। इस प्रकार भारत शेयर बाजार पूंजीकरण के मामले में आज पूरे विश्व में चौथे स्थान पर आ गया है। प्रथम स्थान पर अमेरिकी शेयर बाजार है, जिसका पूंजीकरण 50.86 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। द्वितीय स्थान पर चीन का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 8.44 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। वर्ष 2023 में चीन के शेयर बाजार ने अपने निवेशकों को ऋणात्मक प्रतिफल दिए हैं। तीसरे स्थान पर जापान का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 6.36 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। चौथे स्थान पर भारत का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। पांचवे स्थान पर हांगकांग का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 4.29 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। जिस तेज गति से भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण आगे बढ़ रहा है, अब ऐसी उम्मीद की जा रही है कि कुछ समय पश्चात ही भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण जापान शेयर बाजार के पूंजीकरण को पीछे छोड़ते हुए पूरे विश्व में तीसरे स्थान पर आ जाएगा। उक्त सफलताओं के साथ ही, भारत ने अपने आर्थिक विकास की दर को तेज रखते हुए अपने राजकोषीय घाटे पर भी नियंत्रण स्थापित कर लिया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत का राजकोषीय घाटा 17 लाख 74 हजार करोड़ रुपए का रहा था जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में घटकर 16 लाख 54 हजार करोड़ रुपए का रह गया है। यह राजकोषीय घाटा वित्तीय वर्ष 2022-23 में 5.8 प्रतिशत था जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में घटकर 5.6 प्रतिशत रह गया है।

दृष्टि कोण

निजी बदलावों से ही बदलेगा समाज

सब जानते हैं कि समाज को बदलने की शुरुआत निजी जीवन के बदलावों से होती है, लेकिन आम तौर पर इस जानी-पहचानी अवधारणा को हम अनदेखा करते रहते हैं। जाहिर है, इसे बार-बार याद दिलाते रहने की जरूरत है। इस बार इस लेख में इसी विषय को खंगालने की कोशिश करेंगे। समाज-सुधार की चर्चा तो कई स्तरों पर होती है, पर व्यक्तिगत जीवन में सुधार की चर्चा कम हो गई है। अब चर्चा व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं की अधिक है। व्यक्तिगत सुधार या व्यक्ति के आदर्शों की नहीं, पर समाज तो बहुत से व्यक्तियों से मिलकर ही बनता है और व्यक्तिगत जीवन में सुधार व आदर्श के महत्त्व के बिना समाज सुधार भी आगे बढ़ सकेगा, इसकी संभावना कम है। सवाल यह है कि आदर्श समाज की सोच के अनुरूप व्यक्तिगत जीवन जीना है तो उसकी अनिवार्य शर्तें क्या हैं। संभवतः सबसे बुनियादी बात यह है कि हमारा जीवन सादगी और समता पर आधारित होना चाहिए। आधुनिक जीवन में यह धारणा बहुत मान्यता प्राप्त कर चुकी है कि जितनी अधिक उपभोक्ता वस्तुएं प्राप्त कर सको, जीवन उतना ही बेहतर होगा, जितना वैभवकारी घर बना सको, उतना ही जीवन सार्थक होगा। दूसरी ओर सादगी की अवधारणा बताती है कि हम अपने व अपने परिवार के सदस्यों को कोई शारीरिक कष्ट दिए बिना अपनी जरूरतों को जितना कम रख सकें, जीवन की सार्थकता उतनी ही बढ़ती है। चूंकि एक व्यक्ति और दूसरे व्यक्ति, एक परिवार और दूसरे परिवार की परिस्थितियों में बहुत अंतर हो सकता है, अतः सादगी का आदर्श सामने रखने के लिए उपभोक्ता वस्तुओं की कोई सूची नहीं बनाई जा सकती। बुनियादी बात हमारे सोच की है, जीवन मूल्यों की है। एक बार हमने इस सोच को ऐसा बना लिया कि सार्थकता उपभोक्ता वस्तुओं को बढ़ाने में नहीं, यथासंभव कम करने में है, तो हम सादगी के रास्ते पर आ चुके हैं। व्यक्तिगत जीवन में समता का अर्थ यह है कि जितनी भी संपत्ति या आय हमारे पास हो, अपनी जरूरतों और जरूरी बचत को पूरा करने के बाद वह गरीबी कम करने के लिए या किसी इतने ही जरूरी सार्वजनिक हित के कार्य में खर्च होनी चाहिए। समता का एक अर्थ यह भी है कि अपने से कमजोर आर्थिक हैसियत वाले जितने भी लोग हमारे दैनिक जीवन में सम्पर्क में आएं, उनसे हम न्यायसंगत व्यवहार करें। चाहे वे हमारे नियमित कर्मचारी हों या घरेलू कार्य में सहयोग करने वाले, रिक्शा चालक या कुली, उनके प्रति हमारा व्यवहार यही होना चाहिए कि उनसे जितना सहयोग हम अपनी सीमाओं के बीच कर सकते हैं, उतना अवश्य करें। ईमानदारी एक अन्य बहुत महत्वपूर्ण गुण है जिसकी चर्चा प्रायः होती है, पर ईमानदारी अपने आप में पर्याप्त नहीं है। ईमानदारी के साथ समता और सादगी के आदर्शों को भी जीवन में अपनाना जरूरी है। समता और सादगी के आदर्श आपस में बहुत नजदीकी तौर पर जुड़े हुए हैं। इन दोनों आदर्शों को अपनाने से जीवन में बहुत-सी विकृतियां अपने आप ही दूर हो जाती हैं, कई बेकार की बातों से समय बच जाता है और तरह-तरह के रचनात्मक और सार्थक कार्यों के लिए समय उपलब्ध होने लगता है। जो उपभोक्ता वस्तुएं समाज और पर्यावरण के स्तर पर हानिकारक सिद्ध हो चुकी हैं, उनसे दूर रहना आवश्यक है। तंबाकू, शराब, अन्य तरह के नशीले पदार्थ, दुव्यसन व ऐय्याशी की सामग्री का किसी भी आदर्श जीवन में स्थान नहीं होना चाहिए और कम से कम अपनी कमजोरी को छोडऩे की इच्छा जरूर होनी चाहिए। यह भी उतना ही स्पष्ट है कि आदर्श व्यक्तिगत जीवन में किसी भी धर्म, जाति, समुदाय, लिंग के प्रति भेदभाव या नफरत की जगह नहीं हो सकती। व्यक्तिगत जीवन इन सभी तरह के भेदभावों और उनसे उत्पन्न कुंठाओं और विकृतियों से मुक्त होना चाहिए। आदर्श जीवन के लिए किन गुणों की आवश्यकता है, इसकी तो बहुत लंबी सूची तैयार की जा सकती है, पर यदि हम एक मूल बात को पकडऩा चाहते हैं तो वह यह है कि हम दूसरों को दुःख-दर्द न दें, अपितु जहां तक संभव हो, जितना अवसर हमें मिल सके, हम दूसरों का दुःख-दर्द कम करने का ही प्रयास करें। ईमानदारी से अपनी आजीविका तो हमें कमानी ही है, अपनी व अपने परिवार की बुनियादी जरूरतें भी पूरी करनी हैं, यह जिम्मेदारी निभाते हुए जितना हमसे बन सके, हम दूसरों का दुःख-दर्द कम कर सकते हैं, तो वह प्रयास हम जरूर करें, उससे पीछे न हटें। अपने नजदीकी संबंधों में प्रयास और सद्भावना होने के बावजूद प्रायः हम रिश्तों में हावी होने, अपनी हस्ती स्थापित करने का प्रयास करते हैं। इस कारण नाहक बहुत दुःख-दर्द उत्पन्न होता है। नजदीकी मानवीय संबंधों को एक-दूसरे पर हावी होने के स्थान पर 'हमारी भी जय हो, तुम्हारी भी जय हो' के सिद्धांत पर जीना चाहिए। जो हमारी कुंठाएं हैं, दूसरों के प्रति संकीर्ण सोच है, उससे मुक्त होने का प्रयास कर, अपने आसपास एक खुला, मुक्त माहौल बनाना चाहिए। दूसरों का दुःख-दर्द कम करने, उन पर हावी न होने, सह अस्तित्व और सहयोग के सिद्धांत केवल नजदीकी लोगों से हमारे संबंधों पर लागू नहीं होते, यह प्रकृति से, प्रकृति के विभिन्न रूपों से, विभिन्न जीव-जन्तुओं से भी हमारे संबंधों पर लागू होते हैं। प्रकृति की हरियाली को बढ़ाएं, मूक प्राणियों के दुःख-दर्द को कम करें, यह भी जीवन का एक बहुत सार्थक पक्ष है।

कुछ अलग

भितरघात पर मंथन...

बहुत महत्वपूर्ण बैठक चल रही है। बैठक में मंथन हो रहा है। जीत पर भी मंथन हो रहा है और हार पर भी मंथन हो रहा है। इसलिए यह बैठक बहुत ही महत्वपूर्ण है। बैठक के एजेंडे में भितरघात पर मंथन भी शामिल है। भितरघात जिन-जिन लोगों ने किया था, वे भी बड़ी गंभीरता के साथ इस बैठक में शामिल हैं। बैठक में जब भितरघात पर चर्चा हो रही है तो ऐसे लोग बढ़-चढक़र अपने-अपने सुझाव रख रहे हैं ताकि भविष्य में भितरघात न हो। ऐसे लोगों का मानना है कि भितरघात पार्टी की सेहत के लिए अच्छा नहीं होता। भितरघात रोकने के लिए कड़ी गाइडलाइन दी जानी चाहिए, ऐसा सुझाव भी मंथन बैठक में दिया जा रहा है। बैठक में मिष्ठान भी वितरित किया जा रहा है क्योंकि जीत भी हुई है और जीत पर चर्चा मीठे मुंह से की जानी चाहिए। लेकिन कड़वा कुछ नहीं बांटा जा रहा क्योंकि हार भी हुई है। इसलिए मिष्ठान खाते हुए सिर्फ कड़वे घूंट भरे जा रहे हैं। बैठक में पार्टी के तमाम पदाधिकारी और वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित हैं। पिछले तीन घंटे से मंथन चल रहा है। इसलिए चल रहा है क्योंकि मंथन की रिपोर्ट हाईकमान को सौंपी जानी है। फिर हाईकमान इस रिपोर्ट पर मंथन करेगास जिसके लिए अलग से बैठक होगी और वह हाईकमान के लेवल पर होगी। यह बैठक स्थानीय लेवल पर हो रही है क्योंकि भितरघात भी स्थानीय लेवल पर हुआ है। इसलिए स्थानीय लेवल के नेता और कार्यकर्ता अपने-अपने बूथ की रिपोर्ट और सुझाव लेकर बैठक में आए हुए हैं। बीच में दो-तीन बार लाइट चली जाती है तो पंखे-कूलर बंद हो जाते हैं। मंथन थम जाता है। मंथन बैठक में शामिल लोग पसीने से तर-बतर हो जाते हैं। बैठक में शामिल एक शख्स कहता है कि हमारी मंथन बैठक को डिस्टर्ब करने के लिए सरकार की ओर से जानबूझकर लाइट गुल करवाई गई है। इसलिए इस बैठक में सरकार के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया जाना चाहिए। दूसरा शख्स बैठक में खड़ा होकर कहता है कि इस बैठक से पहले जेनरेटर का इंतजाम होना चाहिए था ताकि लाइट जाए ही नहीं। मंथन बैठक में उपस्थित तीसरा शख्स उठकर कहता है कि हम इस बैठक में बिजली व्यवस्था पर चर्चा करने नहीं आए हैं, बल्कि जीत-हार और भितरघात पर मंथन करने आए हैं, इसलिए विषय से भटका नहीं जाना चाहिए। क्योंकि भटके हुए लोग ही पार्टी को भटका देते हैं और देश में लोकतंत्र भटक जाता है। एक और शख्स बैठक में उठकर कहता है कि हमारी पार्टी में भी कुछ भटके हुए लोग आ गए हैं जो इस बैठक में भी उपस्थित हैं। इन लोगों की वजह से पार्टी में काफी भटकाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। हम अपनी दिशा और दशा भटक रहे हैं। एक और शख्स इसी बीच अपनी जगह से उठकर कहता है कि बाहर मीडिया वाले भी बैठे हैं और बैठक खत्म होने का इंतजार कर रहे हैं ताकि उन्हें खबर का मसाला मिल सके। अगर यह बैठक विषय से ही भटक गई तो हम भटके हुए लोग मीडिया को क्या बताएंगे? मीडिया ने तो पहले ही देश को भटका रखा है। एग्जिट पोल के बहाने दो दिन तक जनता को भटका कर रखा। जब रिजल्ट निकला तो हम आसमान से गिरकर खजूर पर अटक गए। इसलिए अटक गए क्योंकि हम भटक गए। भटके हुए लोग लोकतंत्र को कोई दिशा नहीं दे सकते। इसलिए इस बैठक में अटकने और भटकने पर मंथन होना चाहिए। पार्टी की जीत-हार और भितरघात पर बाद में मंथन किया जा सकता है। हाईकमान को बाद में रिपोर्ट सौंपी जा सकती है। एक सदस्य उठकर कहता है कि हाईकमान ने भी यह मंथन रिपोर्ट अंततः डस्टबिन में डालनी है, इसलिए बैठक में ज्यादा चिंतन करने की जरूरत नहीं है।

देश दुनीया से

चुनावी नतीजों का संदेश - सुनें सबकी करें मन जन की

भीषण गमा और लू के बीच संपन्न हुए लोकसभा 2024 के नतीजे आने के बाद भारत का राजनीतिक परिदृश्य बिल्वुल साफ हो गया है, जिस प्रकार बारीश के बाद आसमान साफ हो जाता है। तो अब कहीं कोईं उलझन या धूंध नहीं है.. सब वुछ बिल्वुल साफ-साफ दिखाईं देने लगा है। हालांकि सियासी सूरमा और राजनीतिक पंडित अब भी इसे मान लेंगे, ऐसा प्रतीत नहीं होता, क्योंकि उनके लिए तो यही अच्छा होता है कि राजनीति का तापमान हमेशा चढ़ा रहे और उमस भी बनी रहे। बहरहाल, इस चुनाव के नतीजे अप्रत्याशित तो रहे, कितु यह भी सच है कि प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इनमें सभी दलों और नेताओं के लिए वुछ-न-वुछ सबक और संदेश निहित है।

लोकसभा चुनाव के नतीजे बताते हैं कि अब पीएम मोदी को अपनी गलती सुधार कर भाजपा एवं संघ के बीच की खटपट को दूर करते हुए स्वस्थ संवाद की परंपरा फिर से स्थापित करनी चाहिए। यही समय और परिस्थितियों की मांग भी है। चेतनादित्य आलोक लगभग छह सप्ताह तक चलने वाले दुनिया के इस सबसे बड़े और ऐतिहासिक चुनाव में करीब 97 करोड़ मतदाताओं और हजारों राजनीतिक दलों ने भाग लिया। निाति रूप से यह कार्यं बेहद कठिन था- चुनाव आयोग के लिए ही नहीं, बल्कि मतदाताओं और राजनीतिक दलों के लिए भी। भीषण गमा और लू के बीच संपन्न हुए लोकसभा 2024 के नतीजे आने के बाद भारत का राजनीतिक परिदृश्य बिल्वुल साफ हो गया है, जिस प्रकार बारीश के बाद आसमान साफ हो जाता है। तो अब कहीं कोईं उलझन या धूंध नहीं है.. सब वुछ बिल्वुल साफ-साफ दिखाईं देने लगा है। हालांकि सियासी सूरमा और राजनीतिक पंडित अब भी इसे मान लेंगे, ऐसा प्रतीत नहीं होता, क्योंकि उनके लिए तो यही अच्छा होता है कि राजनीति का तापमान हमेशा चढ़ा रहे और उमस भी बनी रहे। बहरहाल, इस चुनाव के नतीजे अप्रत्याशित तो रहे, कितु यह भी सच है कि प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इनमें सभी दलों और नेताओं के लिए वुछ-न-वुछ सबक और संदेश निहित है। इस चुनाव के नतीजों का सबसे पहला और महत्वपूर्ण संदेश भारतीय जनता पाटा के लिए है और वह यह कि राजनीति में वुछ भी स्थाईं नहीं होता- न बहुमत, न विजय, न राज, न सफलता, न साथ, न मित्रता, न समर्थन और न ही गठबंधन। दूसरे शब्दों में कहें तो राजनीति में प्रायः सब वुछ परिस्थिति और समय सापेक्ष होता है। यही कारण है कि परिस्थितियों और समय के साथ-साथ राजनीति का स्वरूप भी बदलता रहता है। देखा जाए तो पिछले लोकसभा चुनाव के 37.3 प्रतिशत मत की तुलना में इस बार भाजपा के वुल मत प्रतिशत में लगभग एक प्रतिशत से भी ज्यादा की गिरावट आना तथा 2019 के मुकाबले इस बार भाजपा को लगभग 60 सीटों तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 55 से भी अधिक सीटों का नुकसान होना इस बात को प्रमाणित करता है। इसके अतिरित्त 18वीं लोकसभा के चुनाव में वुल 99 सीटें जीतने वाली कांग्रेस पाटा को पिछली बार के 19.5 प्रतिशत मतों की तुलना में इस बार 21.2 प्रतिशत वोट मिलना भी इसी बात का परिचायक है। जरा इस चुनाव का गणित तो देखिए कि कांग्रेस को मिले वुल मतों में हुईं वृद्धि दो प्रतिशत भी नहीं है, जबकि उसकी सीटों की संख्या में इस बार दोगुनी वृद्धि हो चुकी है। इन नतीजों की दूसरी सीख यह है कि भाजपा को केवल प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे और चारित्रिक करिश्में एवं गरीबों के लिए पांच किलो मुफ्त राशन तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं के भरोसे न रहकर उसे राजनीतिक दांव-पेंचों के निहितार्थो को भी समझना चाहिए। देखा जाए तो उत्तर प्रदेश के कईं इलाकों में 'राशन नहीं रोजगार' का गूंजता नारा इसी बात को प्रमाणित करता है। ऐसा प्रतीत होता है कि जनता के बीच विपक्षी दलों की ओर से दिखाया गया रोजगार का सपना मोदी के राशन की तुलना में अधिक कारगर साबित हुआ। इसीलिए

लोगों ने विकल्प के रूप में अन्य दलों को अपना मत दान कर दिया। वैसे भी यह एक मनोवैज्ञानिक सत्य है कि जब किसी को कोईं वस्तु पहली बार मुफ्त में दिया जाता है तो वह उपहार होता है, लेकिन यदि उपहार स्वरूप वही वस्तु किसी व्यक्ति को बार-बार और लगातार दिया जाता रहे तो आगे चलकर एक दिन मुफ्त में दिया जाने वाला वह वस्तु भी उपहार न होकर उस व्यक्ति का अधिकार बन जाता है। तात्पर्यं यह कि पीएम मोदी ने जो अब तक गरीबों को पांच किलो मुफ्त राशन उपलब्ध कराया, उसे जनता ने अपना अधिकार मान लिया और ऐसा मान लेने के बाद मतदाताओं के भीतर और अधिक पाने की उम्मीद जागी। ऐसे में राहुल गांधी और कांग्रेस पाटा द्वारा की गईं आर्थिक न्याय की संकल्पना को उसने हाथों-हाथ लिया, जिसके अंतर्गत राहुल गांधी बेरोजगारों और गरीब महिलाओं के खातों में 'टकाटक' 8500 रुपए पहुंचाने और गरीबी मिटाने की बात करते टीवी पर देखे गए थे। यह अलग बात है कि ऐसे किसी 'टकाटक' से गरीबी समाप्त नहीं हो सकती। हां, इसके द्वारा सिर्प नेताओं की राजनीतिक गरीबी दूर की जा सकती है, जैसा कि पांचवें चरण में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पाटा ने सात और कांग्रेस ने तीन सीटें जीतकर कीं, जबकि भाजपा को महज चार सीटों से ही संतोष करना पड़ा। जाहिर है कि अब गरीब और मजबूर 'लाभाथा' का गुस्सा केवल पांच किलो मुफ्त राशन से शांत नहीं होने वाला.. उसे और भी बहुत वुछ चाहिए। देखा जाए तो यह 'रेवड़ी कल्चर' का दुष्परिणाम है, जो आज भाजपा भुगत रही है और आज नहीं तो कल इसके दुष्परिणाम अन्य दलों को भी भुगतने ही पड़ेंगे। वैसे सियासी सूरमाओं और राजनीतिक पंडितों का इस हार के बाद सीधेसाधे यह कह देना कि देश के राजनीतिक अखाड़े से 'मोदी मैजिक' अब खत्म हो चुका है.. जनता के बीच में 'मोदी का करिश्मा' अब नहीं चल पा रहा है.. और मोदी के भाषणों में अब वो दम नहीं रहा.. सच नहीं है, क्योंकि यदि ऐसा होता तो ओड़िशा, दक्षिण भारत के राज्यों एवं मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ जैसे मध्य भारत के प्रमुख राज्यों में मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा ने जिस प्रकार से अपना दबदबा कायम रखा है, वह कदापि संभव नहीं हो पाता। थोड़ा कम हुआ है, लेकिन इसके बावजूद अकेले भाजपा द्वारा देश भर में समूचे आइएनडीआइए गठबंधन से भी अधिक सीटें प्राप्त करना इस बात का संकेत है कि अब भी पीएम मोदी के प्रति देश के मतदाताओं के बीच में घना और मजबूत आकर्षण कायम है। इन नतीजों का तीसरा संदेश यह है कि राजनीति में अति-आत्मविश्वास नहीं रखना चाहिए। दरअसल, आत्मविश्वास और अहंकार के बीच में एक बेहद बारीक रेखा होती है, जो कभी भी संकट में डाल सकती है, क्योंकि कईं बार ऐसा होता है कि आत्मविश्वास ही अहंकार और अहंकार ही आत्मविश्वास प्रतीत होने लगता है। वहीं, कईं बार राजनीतिक परटियां भी अपनी राजनीतिक सहूलियतों के हिसाब से जनता के बीच आत्मविश्वास को अहंकार और अहंकार को आत्मविश्वास बताने और उसे साबित करने की बवायद करती रहती हैं।

आप का नजरीया

भाजपा से क्यों रूठे राम?

अयोध्या के राम मंदिर ने भाजपा की चुनावी मदद क्यों नहीं की? राम मंदिर आम चुनाव, 2024 का प्रमुख मुद्दा क्यों नहीं बन पाया? क्या प्रभु राम भाजपा से रूठ गए हैं? श्रीराम की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा का समारोह 22 जनवरी, 2024 को इस मकसद से तय किया गया था कि राम मंदिर चुनावों तक एक प्रमुख मुद्दा बना रहेगा और उसके मद्देनजर ध्रुवीकरण होगा। भाजपा को चुनावी लाभ होगा। राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का आयोजन सतही तौर पर किसी ने भी किया हो, लेकिन उसके सूत्रधार, प्रथम यजमान प्रधानमंत्री मोदी ही थे। फोकस उन्हीं पर था। एक रामभक्त की तरह, पैदल चलते हुए और आरती की थाली लेकर, प्रधानमंत्री ही राम-प्रतिमा तक गए थे। पूजा-पाठ की तमाम विधियां निभाई थीं। उस आयोजन के बाद बूथ स्तर के काडर को निर्देश दिए गए थे कि भक्तों को अयोध्या तक लाया जाए, ताकि वे सहजता से प्रभु राम के दर्शन कर सकें। अयोध्या के पुनरोत्थान, विकास और विस्तार पर भाजपा की डबल इंजन सरकारों ने 70,000 करोड़ रुपए से अधिक खर्च कर दिया था। अयोध्या का चेहरा ही बदल दिया, लेकिन अयोध्या के मतदाताओं ने भाजपा उम्मीदवार लल्लू सिंह को ही 54,000 से अधिक मतों से हरा दिया। लल्लू सिंह को 2014 और 2019 में लगातार दो बार अयोध्या (फैजाबाद) का सांसद चुना गया था। यही नहीं, 26 केंद्रीय मंत्री भी चुनाव हार गए। उनमें स्मृति ईरानी, महेंद्र पांडेय, कौशल किशोर, साध्वी निरंजन ज्योति, अजय मिश्रा, भानुप्रताप वर्मा आदि केंद्रीय मंत्री उप्र से ही सांसद चुनकर आए थे। इस बार अयोध्या के इर्द-गिर्द 4-5 अन्य संसदीय क्षेत्रों में भी भाजपा को पराजित किया गया। भाजपा का वोट प्रतिशत 50 फीसदी से घटकर 41 फीसदी हो गया और वह 29 सीट नीचे फिसल गई, जबकि सपा का वोट प्रतिशत 18.11 फीसदी से उछल कर 33.5 फीसदी हो गया। सपा की इस चुनाव में ही 32 सीटें बढ़ गईं। कांग्रेस के हिस्से भी 6 सांसद आ गए, जिसके मात्र 2 विधायक हैं। प्रभु राम भाजपा से एकदम क्यों रूठ गए? विशेषज्ञ मान रहे थे कि भाजपा 80 में से 70 से अधिक सीटें तो जीत सकती है। उप्र के कारण ही भाजपा लोकसभा में स्पष्ट बहुमत हासिल करने में नाकाम रही। सवाल है कि क्या संविधान बदलने, लोकतंत्र खत्म करने, आरक्षण की व्यवस्था समाप्त करने सरीखे भ्रामक मुद्दे इतने प्रभावशाली साबित हुए कि रामभक्तों ने भी भाजपा को खारिज कर दिया और उस पार्टी को वोट दिए, जिसके मुख्यमंत्री ने रामभक्तों, कारसेवकों पर गोलियों की बौछार करवा उनकी हत्याएं कराई थीं। अयोध्या (फैजाबाद) के पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने भी बयान दिया था कि भाजपा को 400 सीटें इसलिए चाहिए, ताकि संविधान में अपेक्षित बदलाव किए जा सकें। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने इसकी गलत व्याख्या की कि भाजपा संविधान को ही बदलना चाहती है। संविधान बदल जाएगा, तो आरक्षण की व्यवस्था भी समाप्त हो जाएगी। इसका जबरदस्त असर दलितों, आदिवासियों, ओबीसी पर पड़ा और उन्होंने रामभक्त होते हुए भी भाजपा के खिलाफ लामबंद होकर मतदान किया। मतों का ध्रुवीकरण ऐसा हुआ कि प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी सीट से 1.52 लाख से कुछ ज्यादा मतों से ही जीते। 2019 में वह चार लाख से अधिक मतों से जीते थे।

उप्र में विपक्ष की गठबंधन राजनीति के बावजूद भाजपा सबसे बड़ी ताकत

लखनऊ (हिंस)। लोकसभा चुनाव नतीजों में बीजेपी को यूपी में झटका लगा है। उसकी सीटें 62 से घटकर 33 हो गई। प्रदेश की सियासत में समाजवादी पार्टी 37 सीटों के साथ बड़ी ताकत बनकर उभरी है। सपा-कांग्रेस ने गठबंधन में ये चुनाव लड़ा। पिछले दो चुनाव में गठबंधन के राजनीति से बीजेपी को नुकसान पहुंचा है। हालांकि जमीनी हकीकत यह भी है कि विपक्षी गठबंधन के तमाम प्रयोगों के बाद भी बीजेपी पर निर्णायक बढ़त हासिल करने में नाकाम रहा। पिछले एक दशक में प्रदेश की राजनीति में बीजेपी बढ़ी ताकत बनकर उभरी है। लोकसभा चुनाव में मिली जीत से विपक्षी खेमे में खुशी की लहर है, लेकिन बीजेपी अकेले अपने दम पर उप्र में सबसे बड़ी ताकत है। इस सच्चाई से विपक्ष मुंह नहीं मोड़ सकता। 16वीं लोकसभा के चुनाव में देशभर में चली मोदी लहर में विपक्ष हवा में उड़ गया। यूपी में 80 में से 71 सीटें बीजेपी ने जीती। दो सीटें एनडीए में शामिल अपना दल सोनेलाल के खाते में गई। विपक्ष सात सीटों पर सिमट गया। पांच सीटें सपा और दो कांग्रेस को मिली। बसपा और रालोद का तो खाता ही नहीं खुला। इस चुनाव में बीजेपी ने 71 सीटें जीती। बीजेपी को 3, 43, 18, 854 (42.63 प्रतिशत) वोट मिले। सपा को 1, 79, 88, 967 (22.35 प्रतिशत) वोट मिले, उसके खाते में 5 सीटें जीती। कांग्रेस ने रायबरेली और अमेठी की सीट जीती। उसके खाते में 60, 61, 267 (7.53 प्रतिशत) वोट आए। बसपा को 1, 59, 14, 194 (19.77 प्रतिशत) वोट मिले, लेकिन उसका खाता नहीं खुला। 17वीं लोकसभा के लिए 2019 में चुनाव में सपा-बसपा-रालोद का गठबंधन था। धुर विरोधी सपा-बसपा गठबंधन के बाद ये माना जा रहा था कि बीजेपी को बड़ा नुकसान होगा। इस चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन ने बीजेपी को नुकसान तो पहुंचाया लेकिन जितना सोचा जा रहा था, वैसा हो नहीं पाया। बीजेपी की सीटें घटकर 62 हो गई। हालांकि उसके वोट बैंक में करीब 7 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई। बीजेपी को 4, 28, 58, 191 (49.56 प्रतिशत) वोट मिले। सपा के खाते में 5 सीटें आई। सपा को 1, 55, 33, 620 (18.11 प्रतिशत) वोट मिले। बसपा के हिस्से में 10 सीटें आई। बसपा को 1, 66, 59, 754 (19.26 प्रतिशत) वोट हासिल हुए। कांग्रेस इस चुनाव में अकेले मैदान में थी। उसके हिस्से में सिर्फ 1 सीट आई। कांग्रेस को 54, 57, 352 (6.36 प्रतिशत) वोट मिले। 18वीं लोकसभा के चुनाव में प्रदेश में सपा-कांग्रेस का गठबंधन था। सपा ने 37 और कांग्रेस ने 6 सीटों पर जीत दर्ज की। चुनाव नतीजों में बीजेपी के हिस्से में 33 सीटें आई। उसे 3, 62, 67, 072(41.37 प्रतिशत) वोट मिले। सपा को 2, 94, 51, 786 (33.59 प्रतिशत) और कांग्रेस को 82, 94, 318 (9.46 प्रतिशत) वोट मिले। बसपा के वोट बैंक में करीब दस फीसदी की गिरावट आई। उसे 82, 33, 453 (9.39 प्रतिशत) वोट मिले। बसपा का इस चुनाव में खाता नहीं खुला। 2017 के विधानसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस का गठबंधन था। इस चुनाव में सपा 47 सीटों पर सिमटकर सत्ता से बाहर हो गई। सपा को 1, 89, 23, 769 (21.82 प्रतिशत) वोट मिले। कांग्रेस के हिस्से में 7 सीटें आई। उसे 54, 16, 540 (6.25 प्रतिशत) वोट मिले। इस चुनाव में दो लड़कों की जोड़ी पूरी तरह फ्लाप हुई। बीजेपी ने 312 सीटें जीती। उसे 3, 44, 03, 299 (39.67 प्रतिशत) वोट मिले। बसपा 19 सीटों पर जीती। बसपा को 1, 92, 81, 340 (22.23 प्रतिशत) वोट मिले। 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने योगी के नेतृत्व में दूसरी बार वापसी की। बीजेपी को 255 सीटें मिली। बीजेपी को 3, 80, 51, 721 (41.29 प्रतिशत) वोट मिले। इस चुनाव में सपा-रालोद का गठबंधन था। सपा को 111 और रालोद को 8 सीटें मिली। सपा को 2, 95, 43, 934 (32.06 प्रतिशत) वोट मिले। रालोद को 2630168 (2.85 प्रतिशत) वोट मिले। कांग्रेस 2 सीटों पर सिमट गई। उसे 21, 51, 234 (2.33 प्रतिशत) वोट मिले। बसपा 11873137 (12.88 प्रतिशत) वोट के साथ एक सीट पर सिमट गई। 2017 के विधानसभा चुनाव सपा-कांग्रेस ने मिलकर 28.07 फीसदी वोट हासिल किया। और कुल 54 सीटें जीती। इस चुनाव में बीजेपी ने 312 सीटें जीती और उसका वोट शेयर 39.67 फीसदी रहा। 2019 के लोकसभा चुनाव में धुर विरोधी सपा-बसपा-रालोद का गठबंधन हुआ। तीनों ने मिलकर 15 सीटें जीती।

झारखंड में 10 लाख रुपए का इनामी नक्सली गिरफ्तार

गुमला (हिंस)। गुमला पुलिस ने भाकपा माओवादी के 10 लाख रुपए के इनामी सबजोनल कमांडर शंभु गंझू उर्फ रवि गंझू को गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया। रवि गंझू का घर चतरा जिला के टंडवा थाना स्थित हुम्बी सराढू गांव है। पुलिस ने उसे घाघरा थाना के दीरगांव स्थित झलकापाठ कारासिली जंगल से गिरफ्तार किया है। उसके ऊपर चतरा, लातेहार, गुमला में एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज है। गुमला के पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह को इसकी गुप्त सूचना मिल गय। इसके बाद एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ गुमला, घाघरा थाना प्रभारी व क्यूआरटी की टीम का गठन किया। पुलिस टीम ने रवि गंझू को पकड़ने के लिए रणनीति बनायी। इसके बाद पुलिस टीम घाघरा थाना क्षेत्र के दीरगांव इलाके में घुसी और घेराबंदी कर रवि गंझू को गिरफ्तार किया, जिस समय रवि गंझू को पकड़ा गया। वह अकेला था। उसके अन्य साथी साथ में नहीं थे। रवि के पास हथियार नहीं मिला है। क्योंकि वह ग्रामीण वेशभूषा में गांव-गांव घूमकर संगठन मजबूत करने में लगा हुआ था। हालांकि, उसके पास से एक थैला मिला है, जिसमें रवि गंझू के उपयोग के समान साबुन, टूथ ब्रश, कोलगेट पेस्ट, कपड़ा साथ ही भाकपा माओवादी की प्रिंटेड पर्चा मिला है। प्रेस कांफ्रेंस में गुमला के एसपी शंभू कुमार सिंह ने बताया कि गुमला के बिशुनपुर, घाघरा व चैनपुर इलाके में भाकपा माओवादी के कमजोर होने के बाद सैक सदस्य छोटू खेरवार के कहने पर रवि गंझू घाघरा इलाके में लेवी का पैसा वसूलने व संगठन विस्तार करने के इरादे से घुसा था। तभी गुप्त सूचना मिली। तुरंत पुलिस टीम का गठन किया गया और रवि गंझू को गिरफ्तार किया गया. एसपी ने बताया कि जब पुलिस दीरगांव के झलकापाट इलाके में घुसी तो एक व्यक्ति का संदिग्ध अवस्था में घूमते हुआ देखा। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पीठ पर टांगे बैग की जांच की तो उसमें से भाकपा माओवादी का पर्चा मिला। पूछताछ में पता चला कि वह भाकपा माओवादी का सबजोनल कमांडर है और उसके ऊपर सरकार ने 10 लाख रुपए का इनाम रखा है। रवि गंझू से पूछताछ में उसने कई महत्वपूर्ण जानकारी दी है, जिसके आधार पर पुलिस कार्रवाई करेगी। एसपी ने बताया कि रवि गंझू के दस्ते में कुल आठ सदस्य है। लेकिन उसके अन्य साथी बूढ़ापहाड़ इलाके में है। वह अकेले इस क्षेत्र में घुसा था। खुद रवि गंझू लातेहार जिला के बूढ़ा पहाड़ में ही रहता था। परंतु, भाकपा माओवादी के शीर्ष नेताओं के आदेश पर वह गुमला में घुसा और पकड़ा गया।

इंस्टाग्राम पोस्ट को लेकर मारपीट में 6 गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

जौनपुर (हिंस)। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र स्थित छिड़वा भादी गांव में शुक्रवार की रात एक इंस्टाग्राम पोस्ट को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। एक पक्ष का कहना था कि सीएम योगी आदित्यनाथ से संबंधित पोस्ट पर दूसरे समुदाय के लड़के ने भद्दा कमेंट किया और गाली दी। मना करने पर लाठी-डंडे से मारपीट की गई। वहीं दूसरे पक्ष ने इसे बच्चों की लड़ाई बताया। घटना में दोनों पक्षों से 12 लोग घायल हो गए थे। जिसमें चार महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां से 6 लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर रही है। छिड़वा भादी गांव के एक युवक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सीएम योगी आदित्यनाथ की फोटो पोस्ट की थी। आरोप था कि दूसरे पक्ष के युवक ने इस पर भद्दे कमेंट किए और पार्टी विशेष को गाली दी। जब पोस्ट करने वाले ने ऐतराज किया तो दूसरे पक्ष के युवक गोल बनाकर उसे मारने पहुंच गए। यहां युवक को लाठी-डंडे से मारा-पीटा। बचाने आए लोगों को भी पीटा गया और पत्थर भी चले। स्थानीय लोग घायल युवकों को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे।

झारखंड पार्टी के समक्ष अस्तित्व बचाने की चुनौती

खूंटी (हिंस)। झारखंड अलग राज्य आंदोलन की बुनियाद रखने वाली झारखंड पार्टी, जिसके कभी बिहार विधानसभा में 32 विधायक हुआ करते थे, उसी झारखंड पार्टी के समक्ष आज अस्तित्व का संकट ख ?ा हो गया है। 1952 से 1972 तक खूंटी सुरक्षित संसदीय क्षेत्र में झारखंड पार्टी एकछत्र राज्य हुआ करता था। उसके उम्मीदवारों ने लगातार जीत हासिल की थी। खूंटी खासकर तोरपा, कोलेबिरा जैसे विधानसभा क्षेत्र में दूसरी पार्टियों के चुनाव प्रचार वाहन तक नहीं जाते थे। वहीं मारंग गोमके जयपाल सिंह और बाद में एनई होरो की एक आवाज से पूरा गांव एकजुट हो जाता था, आज उसी पार्टी के समक्ष अपनी पहचान बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। पार्टी के घटते जनाधार इसका अनुमान सिर्फ इस बात से लगाया जा सकता है कि इस वर्ष के लोकसभा चुनाव में झारखंड पार्टी एक फीसदी लोगों का भी समर्थन पाने में बुरी तरह विफल रही। इसके पहले 2014 के संसदीय चुनाव में झारखंड पार्टी दूसरे स्थान पर थी। पार्टी प्रयाशी एनोस एक्का ने भाजपा के कड़िया मुंडा को कड़ी टक्कर दी थी। तोरपा-खूंटी सुरक्षित संसदीय सीट झारखंड पार्टी का गढ़ माना जाता था। सिमडेगा सीट से एनोस एक्का के विधायक बनने और राज्य की भाजपा सरकार को समर्थन देने के मुद्दे पर पार्टी में दो फाड़ हो गया और उसके बाद से पार्टी का जनाधार लगातार घटने लगा। इसका परिणाम रहा कि 1980 के बाद 2024 तक कोई भी संसदीय चुनाव नहीं जीत सकी। इस संसदीय चुनाव में झारखंड पार्टी का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। पार्टी उम्मीदवार को एक प्रतिशत से भी कम वोट मिले। झारखंड पार्टी को नोटा से भी कम मात्र 8532 वोट मिला, जबकि 21919 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया। झारखंड पार्टी जमानत भी नही बचा पायी। निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे बसंत लोंगा को झारखंड पार्टी से अधिक 10755 वोट हासिल हुआ। इसका सीधा अर्थ है कि क्षेत्र की 99 फीसदी से अधिक लोगों ने झारखंड पार्टी कों नकार दिया। तोरपा विधानसभा क्षेत्र झारखंड पार्टी का सबसे मजबूत गढ़ था। एनई होरो कई बार यहां से विधायक रहे हैं। इस चुनाव में तोरपा विधानसभा क्षेत्र में झारखंड पार्टी का प्रदर्शन बहुत ही खराब रहा। यहां पार्टी प्रत्याशी को महज 672 वोट मिले। तोरपा विधानसभा क्षेत्र के 38 बूथों में झापा को एक भी वोट नहीं मिला, वहीं 48 बूथों में एक, 52 बूथों में दो वोट मिले। 252 मतदान केंद्रों में से 246 बूथों में इसे दस से भी कम वोट मिला। बूथ संख्या 83 में सबसे अधिक 24 व बूथ संख्या 91 में 21 वोट मिले। झारखंड पार्टी के इतने खराब प्रदर्शन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि झारखंड पार्टी के खराब प्रदर्शन से पार्टी अध्यक्ष एनोस एक्का की साख को धक्का लगा है। इस नतीजे का असर विधानसभा चुनाव में दिखेगा। कुछ लोग तो झारखंड पार्टी के चुनाव लड़ने की मंशा पर भी सवालिया निशान लगा रहे हैं। उनका कहना है कि चुनाव के दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की निष्क्रियता से साफ हो गया था कि किसी खास प्रत्याशी को लाभ पहुंचाने के लिए पार्टी नेताओं ने मतदाताओं से दूरी बना ली। पार्टी नेता और कार्यकर्ताओं ने न तो चुनाव प्रचार में रुचि दिखाई और न ही मतदान के दिन पार्टी नेता कहीं नजर आए।

एसआई भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामला : अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक का पति गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की टीम ने एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में रविवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नविता खोखर के पति तुलसाराम को भी गिरफ्तार कर लिया है। वहीं शनिवार को गिरफ्तार तीनों महिला ट्रेनी एसआई को रविवार को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने तीनों को सात दिन की रिमांड पर पुलिस को सौंप दिया है। जांच में सामने आया कि तीनों एसआई पहले भी एग्जाम में नकल कर चुकी हैं। एसओजी एडीजी वीके सिंह ने बताया कि जोधपुर और जयपुर आरपीए से गिरफ्तार ट्रेनी एसआई मनीषा सिहाग निवासी गंगाशहर (बीकानेर), अंकिता गोदारा निवासी नोखा (बीकानेर) और प्लाटून कमांडर प्रभा विश्नोई निवासी लोहावट (जोधपुर) को रविवार को कोर्ट में पेश किया गया। तीनों को 7 दिन के रिमांड पर भेजा हैं। तीनों से एंटी चीटिंग सेल की टीम अलग-अलग पूछताछ कर रही है। एसओजी के पास इनपुट है कि इन तीनों महिला एसआई ने इससे पहले भी कई परीक्षाओं में नकल की। इन लोगों ने परीक्षा पास करने के बाद गिरोह के साथ संपर्क में थे। तुलसाराम बीकानेर में चाणक्य कोचिंग सेंटर चलाता था। जो चूरू जिले के रामपुर देवानी का रहने वाला है। वर्ष 1991 में पुलिस में भर्ती हुआ था। 1994 में हवाला के एक मामले में जब्त राशि अपने पास रखने के आरोप में बर्खास्त कर दिया गया। उसके बाद 2007 में उसने आरएएस का एग्जाम दिया। जिसमें 19वीं पोजीशन आई। वर्ष 2014 में वह अपने एक रिश्तेदार की जगह एसआई की परीक्षा देते हुए पकड़ा गया था। रीट एग्जाम में नकल करने के लिए ब्लूटूथ लगी चप्पल बनाने के मामले में गिरफ्तार हुआ था। इसके बाद जमानत मिल गई थी। एसआई पेपर लीक 2021 तुलसाराम पेपर लीक मामला उजागर होने के बाद से फरार था। उसे बीकानेर, जोधपुर और एसओजी की टीमें कई समय से सर्च कर रही थी। एसओजी ने पेपर लीक मामले की जांच में पहले ही तुलसाराम का नाम जोड़ लिया था। कोर्ट में पेश की गई चार्जशीट में तुलसाराम के खिलाफ जांच पेंडिंग रखी गई थी। क्योंकि वह पकड़ में नहीं आ रहा था। आरोपी तुलसाराम पेपर लीक, डमी कैंडिडेट बैठाने समेत कई गैर कानूनी काम किया करता था। तुलसाराम पेपर की व्यवस्था करने वाले पोरव कालेर का चाचा है। पोरव पहले से एसओजी की गिरफ्त में है। पेपर लीक मामले में एसओजी ने स्कूल के संचालक दिनेश सिंह चौहान, पेपर सॉल्व करने वाले नरेश दान चारण और प्रवीण कुमार, पेपर की व्यवस्था पोरव कालेर को भी गिरफ्तार किया है।

जनधन अकाउंट खुलवाने में यूपी अव्वल, महिलाओं की संख्या सर्वाधिक

लखनऊ (हिंस)। केंद्र सरकार की ओर से संचालित तमाम गरीब कल्याणकारी योजनाओं को मिशन मोड में धरातल पर उतारने के मामले में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सतत मॉनीटरिंग के कारण योजनाओं को न केवल गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध ढंग से धरातल पर उतारा जा रहा है, बल्कि इस आधार पर तेज गति से विकास का यूपी मॉडल स्थापित हो रहा है। वित्त मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री जनधन योजना में भी यूपी शीर्ष पर है। देश में जनधन खाताधारकों की संख्या जहां 52 करोड़ से ऊपर है। यूपी में ये संख्या 09.33 करोड़ हो चुकी है। यह राज्यों के स्तर पर सर्वाधिक संख्या है। वहीं सबसे सुखद बात यह है कि इसमें भी लगभग 05 करोड़ जनधन खाताधारक महिलाएं हैं। केंद्रीय वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंशियल सर्विसेज की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार यूपी में प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत कुल 09 करोड़ 33 लाख 66 हजार 265 खाताधारक हैं। 29 मई 2024 तक के इन आंकड़ों पर नजर डालें तो इनमें 06 करोड़ 71 लाख 78 हजार 705 खाताधारक ग्रामीण और अर्धशहरी इलाकों के निवासी हैं, जबकि 02 करोड़ 61 लाख 87 हजार 560 खाताधारक शहरी और मेट्रो सिटी में रहने वाले गरीब हैं। इन 09.33 करोड़ खाताधारकों के खातों में कुल 47, 427.21 करोड़ रुपए जमा हुए हैं। वहीं प्रदेश में रूपे कार्डधारकों की संख्या 06 करोड़ 14 लाख 39 हजार 064 है, जो देश में सर्वाधिक है। इसके अलावा देश में महिला जनधन खाताधारकों की संख्या जहां 29.11 करोड़ है। यूपी में यह संख्या लगभग 05 करोड़ है जो प्रदेश में कुल खाताधारकों की संख्या के आधे से अधिक है। बीते वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रदेश में 65 लाख के करीब नए प्रधानमंत्री जनधन अकाउंट खोले गये हैं। इनमें से अब तक 91 प्रतिशत से अधिक जनधन खातों के आधार फीडिंग का भी कार्य पूरा हो चुका है। उल्लेखनीय है कि मार्च 2023 तक प्रदेश में जनधन खातों की संख्या 08.68 करोड़ थी जोकि मार्च 2024 में बढ़कर 09.28 करोड़ पहुंच गयी। ताजा आंकड़ों के अनुसार 29 मई 2024 तक यह संख्या 09.33 करोड़ हो चुकी है। दरअसल, प्रधानमंत्री जनधन योजना एक राष्ट्रीय मिशन है। इसमें प्रत्येक परिवार के लिए कम से कम एक मूल बैंकिंग खाता, वित्तीय साक्षारता, ऋण की उपलब्धता, बीमा तथा पेंशन सुविधा सहित सभी बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराया जाना है। इसके अलावा, लाभार्थियों को रूपे डेबिट कार्ड दिया जाता है, जिसमें एक लाख रुपए का दुर्घटना बीमा कवर भी शामिल है।

साइबर ठगी के छह आरोपी दबोचे, मोबाइल एवं कार बरामद

धौलपुर (हिंस)। साइबर ठगों के विरुद्ध भरतपुर रेंज में चलाये जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन एंटी वायरस के तहत धौलपुर जिला पुलिस ने छह साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए आरोपी लोगों के बैंक खातों में पैसे डलवाकर तथा इन्वेंस्टमेंट के नाम पर पैसे डबल करने का झांसा देकर ठगी करके पैसे निकालते हैं। प्रांरभिक पड़ताल में आरोपियों का नेटवर्क विदेशों तक होने की बात सामने आई है। पुलिस द्वारा आरोपियों से उनके नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है, जिसके बाद में कुछ बडे खुलासे हो सकते हैं। जिला पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा ने बताया कि जिला पुलिस को साइबर ठगों के मूवमेंट के संबंध में इनपुट मिल रहा था। इस सूचना पर रविवार को सदर थाना पुलिस ने आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे पर सदर चौराहे पर एक कार से जाते हुए छह साइबर ठगों को धर दबोचा। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सैयद इमरान पुत्र सैयद सोहेल, शाहरुख पुत्र शराफत, इरफान पुत्र ईसाक एवं मोहसिन खान पुत्र शहजाद खान निवासी पुरानी शिवपुरी देहात थाने के पीछे जिला शिवपुरी मप्र तथा विकास श्रीवास्तव पुत्र शिवनारायण श्रीवास्तव निवासी कायस्थपाड़ा थाना निहालगंज जिला धौलपुर एवं एहसान पुत्र नवाब खान निवासी इलाइट चौराहा झांसी शामिल हैं। एसपी मेहरडा ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी अपने अन्य सदस्यों के साथ मिलकर भोले-भाले लोगों से खाते खरीदते थे तथा उनकों पैसों का लालच देकर उनके खातों में ठगी के पैसे डलवाते थे।

जमीनी विवाद में सरपंच ने महादलित महिला को पीटा

भागलपुर (हिंस)। जिले के सनोखर थाना क्षेत्र के एक महादलित महिला को लाठी डंडे से पीटे जाने का मामला प्रकाश में आया है। एक सरपंच ने कानून को अपने हाथ में लेते हुए लाठी डंडे से महिला पर जानलेवा हमला किया है। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि सनोखर थाना क्षेत्र के अरार गांव की एक माह दलित परिवार को जो कि भूमीहीन मोसमात महिला हैं और बिहार सरकार की ओर से, रहने के लिए जोडली पोखर के समीप बिहार सरकार की जमीन पर रहने के लिए बासगत पर्चा मिला था। कई वर्षों से उस जमीन पर वह रह रही थी। उक्त जमीन को अरार पंचायत के सरपंच केशव प्रसाद मिश्र अपना बता रहे हैं और बसने से मना कर रहा है। ऐसे में महादलित महिला और सरपंच के साथ कहा सुनी होते होते विवाद हो गया। इसके बाद आक्रोशित होकर सरपंच ने अपने परिवार के साथ मिलकर उक्त महिला पर लाठी डंडे से हमला कर दिया। जिसमें मोसमात सीमा देवी की बेटी रेखा देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। बताया जा रहा है कि पंचायत के सरपंच केशव प्रसाद नशे में था और अपना धौंस दिखाकर महादलित परिवार पर हमला कर दिया। वहीं पीड़ित महादलित महिला के बेटे ने सनोखर थाना में लिखित रूप से शिकायत किया है, जिसमें सरपंच समेत पांच व्यक्ति को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। सनोखर थानाध्यक्ष रणतेज भारती ने बताया कि थाना में मामला दर्ज कर लिया है। जिसमें सरपंच और उसके बेटे को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में ले लिया गया है।

गैर इरादतन हत्या के अभियोग में महिला समेत तीन गिरफ्तार

मीरजापुर (हिंस)। पैसे के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में शनिवार की रात चुनार थाना क्षेत्र के बरगवां गांव में दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। घटना में एक महिला गम्भीर रूप से घायल हुई। उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर गैरइरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर एक महिला समेत तीन लोगों को रविवार को गिरफ्तार कर जेल भेजा। बरगवां निवासी रामबली ने नामजद आरोपितों के विरुद्ध पैसे के लेन-देन को लेकर उसकी पत्नी कविता (30) की गैर इरादतन हत्या के संबंध में लिखित तहरीर दी थी। इसके आधार पर थाना चुनार पर मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ की गई।

भड़के छात्रों ने सरकारी गाड़ी में लगाई आग

अररिया (हिंस)। जोगबनी सीमा से सटे नेपाल के विराटनगर में गृह मंत्री रवि लामछाने सहित नेपाल के वरीय अधिकारियों के समक्ष रविवार को मोरंग बहुमुखी आदर्श कैंपस के विद्यार्थियों ने आधा दर्जन सरकारी वाहनों में तोड़फोड़ करने के साथ गाड़ी आग के हवाले कर दिया। मोरंग जिला पुलिस प्रवक्ता डीएसपी ज्ञानेन्द्र बहादुर बस्नेत के अनुसार प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों ने नेपाल सरकार के योजना आयोग की सरकारी गाड़ी में आग लगा दी। वाहन में लगी आग को नियंत्रित करने में एक दमकल गाड़ी को लगाया गया, लेकिन गाड़ी जलकर पूरी तरह से नष्ट हो चुकी। वही विराटनगर के एक पार्टी पैलेस में पार्किंग कर रखे गए 5 गाड़ियों में भी प्रदर्शनकारियों ने तोड़फोड़ की। पार्टी पैलेस में नेपाल विद्युत प्राधिकरण की ओर से आयोजित कार्यक्रम चल रहा था। पुलिस के अनुसार सरकारी गाड़ी में आगजनी व तोड़फोड़ करने वालों की खोज की जा रही है। कैंपस के विद्यार्थियों की ओर से यह प्रदर्शन रंगेली में गिरफ्तार महेन्द्र मोरंग आदर्श बहुमुखी कैम्पस स्वविवु (स्वतन्त्र विद्यार्थी युनियन) व नेपाल विद्यार्थी संघ (नेविसंघ) के सदस्य दीपक यादव सहित अन्य प्रदर्शनकारियों की रिहाई की मांग को लेकर रविवार को विद्यार्थियों द्वारा यह प्रदर्शन किया गया। जिसके तहत गृह मंत्री के आगमन कार्यक्रम के दिन छात्र आंदोलित हो उठे और सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करने लगे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए जिला पुलिस कार्यालय मोरंग से डीएसपी वेदप्रकाश जोशी व वार्ड पुलिस कार्यालय विराटनगर से डीएसपी बुद्द श्रेष्ठ के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस बलों को तैनात किया गया है।

पाकिस्तान सीमा पर स्थिति स्थिर

श्रीनगर (हिंस)। श्रीनगर स्थित 15 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान सीमा पर स्थिति स्थिर है। कश्मीर में स्थिति को स्थिर रखने के लिए संबंधित सुरक्षा एजेंसियां सभी कदम उठाए जा रहे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल घई जनरल बिपिन रावत स्टेडियम बारामुल्ला में कारगिल विजय दिवस मनाने के लिए आयोजित एक समारोह के मौके पर मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे। राजीव घई ने कहा कि दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में हाल ही में हुए ऑपरेशन में लश्कर-ए-तैयबा संगठन के दो शीर्ष कमांडर मारे गए थे। राजीव घई ने कहा कि हर सफल ऑपरेशन सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक प्रगति है। पुलिस महानिदेशक डीजीपी आरआर स्वैन के बयान पर राजीव घई ने कहा डीजीपी ने विदेशी आतंकवादियों की तथ्यात्मक संख्या बताई है।

मौसम की बेरुखी से आम के फसलों को हो रहा नुकसान

अररिया (हिंस)। मौसम की बेरुखी से किसानों की समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। पूर्वा हवा और मौसम की बेरुखी से आम के फसलों को नुकसान पहुंच रहा है। आम के फसल खराब होकर बड़ी संख्या में पेड़ से गिर रहें हैं। आम के फसलों में छेड़ी लगने से आम के फसलों को नुकसान पहुंच रहा है। फारबिसगंज प्रखंड क्षेत्र में कई आम के बगीचे हैं। इन बगीचों के पेड़ों में आम के फसल पकने लगा है। इस बार फल का आकार भी काफी छोटा है लेकिन आम के अधिकांश फसलों पर अब कीटों का प्रकोप बढ़ने लगा है, जिससे इसके बेहतर उत्पादन को भारी नुकसान हो रहा है। प्रखंड के हलहलिया, सैफगंज, खवासपुर, गुड़मी, खास हलहलिया आदि पंचायत के आम के बगान के मालिक ने बताया की इस इलाके में मुख्य रूप से कलमी आम होते हैं इन आमों में मुम्बई, मालदह, कृष्ण भोग, सपेता, कलकतिया आदि प्रमुख है। आम के पेड़ों को लेकर दूर दराज के व्यापारी यहां पहुंचते थे, लेकिन अब तक उनके बगीचों की बोली नहीं लग सकी है। साथ ही फसलों के उत्पादन पर भी ग्रहण लगता जा रहा है। आम के बगीचे व्यापारियों द्वारा नहीं लेने से किसान परेशान है। फिलहाल फसलों को कीटों से बचाव की जरूरत है। किसानों ने कृषि विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि आम में छेड़ी लगने से बचाव का उपाय करे। वहीं दूसरी ओर कृषि विकास के अधिकारियों की मानें तो अभी इन आम की सुरक्षा के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत एक लीटर पानी में एक एमएल, हेक्साकोनाजोल पांच प्रतिशत और प्लानोफिक्स हारमोन चार एमएल 10 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने से इससे कीटों के प्रकोप से बचाया जा सकता है।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला, सेंसेक्स 76,693 पर और निफ्टी 23,290.15 पर बंद

मुंबई ।
बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। पहले बाजार में बड़ी गिरावट आई, उसके बाद शानदार रिकवरी देखने को मिली थी। बाजार सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को उछाल के साथ बंद हुआ था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के वृद्धि दर के अनुमान को सात प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है, जिसके चलते बाजार में यह तेजी देखने को मिली थी। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो लोकसभा चुनाव के परिणाम से एक दिन पहले और एग्जिट पोल के अनुमानों के बाद सोमवार को शेयर बाजार जमकर झूमा। सेंसेक्स 1859.88 अंकों की बढ़त के साथ 75,821.19 के रिकॉर्ड स्तर पर खुला और 2,507.47 अंक उछलकर 76,468.78 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 603.85 अंकों की उछाल के साथ 23,134.55 पर खुला और 733.21 अंक मजबूत होकर 23,263.90 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 1,700 अंक बढ़कर 76,794.06 के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर खुला और 1,618.85 अंक की तेजी के साथ 76,693.36 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 483 अंकों तक बढ़कर खुला और 468.75 अंक बढ़कर 23,290.15 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को लोकसभा चुनाव के सभी सीटों के रिजल्ट आने के बाद शेयर मार्केट में बहार लौट आई है। बीएसई सेंसेक्स एक बार फिर 73000 के पार खुला और 2,303 अंक की तेजी के साथ 74,382 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 22128 से के दिन के कारोबार की शुरुआत की और 735 अंक बढ़कर 22,620.35 के स्तर पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 400.42 अंकों की बढ़त के साथ 74,744.30 के स्तर पर खुला और 692.27 अंक मजबूत होकर 75,074.51 पर बंद हुआ। निफ्टी 122.31 अंक मजबूत होकर 22,742.65 के स्तर पर खुला और 201.06 अंक चढ़कर 22,821.40 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार ने आरबीआई की ओर से रेपो रेट के ऐलान से पहले 7 जून 2024 शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ अपने कामकाज की शुरुआत की। सेंसेक्स 254.53 अंक चढ़कर 75,329.04 अंक पर खुला और 1,618.85 अंक की तेजी के साथ 76,693.36 अंक पर बंद हुआ।

न्यूज ब्रीफ

खराब सिबिल मुश्किल करेगा कर्ज लेना, क्रेडिट स्कोर को बेहतर बनाए रखने के लिए अपनाएं ये तरीके

नई दिल्ली। किसी व्यक्ति की कर्ज लेने के लिए योग्यता निर्धारित करने में क्रेडिट स्कोर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसे सिबिल स्कोर भी कहा जाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो कर्ज देने वाले बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को क्रेडिट स्कोर से अपने संभावित ग्राहक की वित्तीय स्थिति के बारे में जानकारी मिलती है। इसी स्कोर के आधार तय किया जाता है कि संभावित ग्राहक को कर्ज, क्रेडिट कार्ड या इससे जुड़ी अन्य सेवाएं दी जाएं या नहीं। किसी भी व्यक्ति के लिए अपने क्रेडिट स्कोर को बेहतर बनाए रखना जरूरी है। इससे लोन, क्रेडिट कार्ड इत्यादि मिलने में आसानी होती है। आइए हम आपको बताते हैं क्रेडिट स्कोर को बेहतर बनाए रखने में मदद करने वाले कुछ उपाय। 300-900 अंक की रेंज में होता है क्रेडिट स्कोर भारत में क्रेडिट स्कोर की शुरुआत 300 अंक से होती है और यह अधिकतम 900 अंक तक होता है। 300-549 अंक तक के क्रेडिट स्कोर को खराब माना जाता है। सामान्यतया इस स्कोर पर कर्ज नहीं मिल पाता है। 550 से 649 तक के क्रेडिट स्कोर को औसत माना जाता है। इस क्रेडिट स्कोर पर कर्ज मिल सकता है लेकिन ब्याज की दर ज्यादा हो सकती है। 650 से 749 के स्कोर का अच्छा माना जाता है। इस क्रेडिट स्कोर वालों को सामान्य ब्याज दरों पर कर्ज मिल सकता है। 750 से 799 के क्रेडिट स्कोर को काफी अच्छा माना जाता है और इस स्कोर वालों को आकर्षक ब्याज दर पर लोन मिल सकता है। 800 से 900 के क्रेडिट स्कोर को उत्कृष्ट माना जाता है और इनको बाजार से कम दर पर लोन मिल सकता है। हालांकि, कर्ज लेने में क्रेडिट स्कोर के अलावा उम्र, रोजगार की स्थिति, आय या वेतन इत्यादि कारकों की भी महत्वपूर्ण होती है। चार क्रेडिट ब्यूरो तैयार करते हैं स्कोर भारत में चार क्रेडिट ब्यूरो क्रेडिट स्कोर तैयार करते हैं। इनमें इक्विफिक्स, ट्रांसयूनियन सिबिल, एक्सपीरियन और सीआरआइएफ हाइमार्क शामिल हैं। यह क्रेडिट ब्यूरो पुनर्भुगतान, क्रेडिट उपयोगिता, कर्ज लेने के पैटर्न और क्रेडिट हिस्ट्री के आधार पर क्रेडिट स्कोर तय करते हैं। क्रेडिट स्कोर बेहतर बनाए रखने के तरीके अपने क्रेडिट कार्ड का पूरा बिल भरें और लोन की मासिक किस्त समय पर जमा करें।

मुकेश अंबानी की रिलायंस का बजा डंका, टाटा की कंपनी ने भी खूब कूटा मुनाफा

नई दिल्ली। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में भी अंतर आया है।

पिछले सप्ताह 10 सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनियों में आठ ने अपने बाजार मूल्यांकन में कुल मिलाकर 3.28 लाख करोड़ रुपये जोड़े। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। इस उतार-चढ़ाव से भरे सप्ताह में बीएसई सेंसेक्स 2,732.05 अंक या 3.69 प्रतिशत उछल गया। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) और आईटीसी को लाभ हुआ। इन कंपनियों ने अपने बाजार मूल्यांकन में कुल 3,28,116.58 करोड़ रुपये जोड़े। इन कंपनियों को हुआ नुकसान शीर्ष 10 कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार मूल्यांकन में गिरावट हुई।

अदाणी एयरपोर्ट्स ने वित्त वर्ष 24 में संभाला एक मिलियन टन से ज्यादा कार्गो

मुंबई। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) की ओर से कहा गया कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान कंपनी ने एक मिलियन टन एयर कार्गो संभाला है। इसमें सालाना आधार पर 7 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है। पिछले वित्त वर्ष कंपनी ने 9,44,912 मीट्रिक टन कार्गो संभाला गया था। अदाणी ग्रुप देश में सात एयरपोर्ट्स संभालता है और वित्त वर्ष 2023-24 में 10 लाख मीट्रिक टन कार्गो संभालने के साथ कंपनी का मार्केट शेयर 30.1 प्रतिशत हो गया है। एएएचएल के सीईओ अरुण बंसल ने कहा कि अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड में हम लगातार संचालन के नए बेंचमार्क सेट कर रहे हैं। कार्गो टर्मिनल की ओर से एक मिलियन टन का बड़ा माइलस्टोन हासिल किया गया है। कंपनी ने कहा कि हैंडल किए गए सभी कार्गो में 65 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय था।

मुथूट फिनकॉर्प ने शाहरुख खान के साथ बुक माई गोल्ड लोन अभियान शुरू किया

मुंबई ।
नए ब्रांड एंबेसडर के साथ पहला अभियान इस बात का प्रचार-प्रसार करना है कि कैसे नई पहल गोल्ड लोन को ग्राहकों के लिए अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाने में मदद करती है मुथूट पप्पाचन समूह (मुथूट ब्लू) की प्रमुख कंपनी मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड (एमएफएल) ने शाहरुख खान के साथ अपना बुक माई गोल्ड लोन अभियान शुरू किया है। यह अभूतपूर्व अभियान भारत में अपनी तरह की पहली सेवा पेश करता है: कहीं से भी, कभी भी, तुरंत गोल्ड लोन बुक करें। हाल ही में लॉन्च की गई सुविधा ग्राहकों को एक साधारण मिस्ड कॉल के साथ ऋण शुरू करने की अनुमति देती है, जो उन्नत तकनीक को असाधारण ग्राहक सेवा के साथ एकीकृत करती है। यह अनूठी सेवा गोल्ड लोन को उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाती है शाहरुख खान के साथ साझेदारी करते हुए, बुक माई गोल्ड लोन अभियान हमारे लिए एक बड़ी छलांग है। बुक माई गोल्ड लोन सेवा के साथ हमारा लक्ष्य अपने सभी उपभोक्ताओं के लिए जीवन को आसान बनाना है, जिसके लिए गोल्ड लोन हमारी किसी भी शाखा से या उनके घर से लिया जा सकता है। हमारे लोन हमारे ग्राहकों को उनकी दैनिक आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम बनाते हैं। मुथूट फिनकॉर्प के बुक माई गोल्ड लोन अभियान की संकल्पना और रचना हवास वर्ल्डवाइड इंडिया (क्रिएटिव) द्वारा की गई है और हवास मीडिया इंडिया (मीडिया) द्वारा निष्पादित की गई है और इसमें शाहरुख खान द्वारा अभिनीत एक आकर्षक टेलीविजन विज्ञापन दिखाया गया है। दर्शकों को आकांक्षाओं के एक क्रम से गुज़ारता है - व्यवसाय शुरू करना, विदेश में पढ़ाई करना और नई

कार खरीदना। जैसे-जैसे प्रत्येक दृश्य सामने आता है, शाहरुख खान सूक्ष्मता से मुझे कॉल करें इशारे को शामिल करते हैं, जो एक सरल समाधान की ओर इशारा करता है। अंत में, खान अपने मुझे कॉल करें इशारे के पीछे का उत्तर बताते हैं - मुथूट फिनकॉर्प की बुक माई गोल्ड लोन सेवा।

भारत में पहली बार शुरू की गई यह सेवा आपके सपनों को हकीकत में बदलने के लिए 80869 80869 पर मिस्ड कॉल करने जितना आसान गोल्ड लोन प्राप्त करना है। इसके अलावा, मुथूट फिनकॉर्प ने शाहरुख खान के साथ नई पहल को बढ़ावा देने के लिए एक संगीत वीडियो भी जारी किया है। हवास वर्ल्डवाइड इंडिया की संयुक्त एमडी और चीफ क्रिएटिव ऑफिसर अनुपमा रामास्वामी ने कहा, हमने मिस्ड कॉल के साथ बुक योर गोल्ड लोन की अपनी अनूठी सुविधा के लिए एक खास तरीका अपनाया और शाहरुख खान से दुनिया को इसके बारे में बताने को कहा। और हमेशा की तरह, उन्होंने इसे एक अनूठा मोड़ दिया। हवास मीडिया नेटवर्क के सीईओ मोहित जोशी ने कहा, हम मुथूट फिनकॉर्प और उनके नए ब्रांड एंबेसडर शाहरुख खान के साथ इस अभियान का हिस्सा बनकर उत्साहित हैं। लोगों के लिए वित्तीय पहुँच को आसान बनाने के लिए मुथूट फिनकॉर्प का निरंतर नवाचार सराहनीय है और हमें यकीन है कि बहुभाषी अभियान देश भर में बड़े दर्शकों से सार्थक रूप से जुड़ेगा। यह अभियान हिंदी, तमिल, मलयालम, तेलुगु, कन्नड़, मराठी और गुजराती में प्रसारित किया जाएगा। इसमें डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म, टेलीविज़न, प्रिंट और ऑन-ग्राउंड एक्टिवेशन शामिल होंगे, जिससे व्यापक पहुँच और अखिल भारतीय प्रभाव सुनिश्चित होगा। मुथूट फिनकॉर्प ने हाल ही में वित्त वर्ष 24 में 61,703.26 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड-तोड़ समेकित ऋण वितरण हासिल किया। बुक माई गोल्ड लोन के लॉन्च के साथ, कंपनी ऋण देने के परिदृश्य को सरल बनाने में एक महत्वपूर्ण छलांग लगाने के लिए तैयार है। अभियान सभी जनसांख्यिकी के दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ने का वादा करता है, जिससे अधिक सुलभ और सुविधाजनक ऋण अनुभव का मार्ग प्रशस्त होता है। मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड, 137 साल पुराने व्यापार समूह मुथूट पप्पाचन ग्रुप की प्रमुख कंपनी, भारत की अग्रणी गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्था है, जिसका उद्देश्य विभिन्न उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से आम आदमी की वित्तीय भलाई सुनिश्चित करके उनके जीवन को बदलना है। देश भर में 3700 से अधिक शाखाओं के साथ, हम बैंकिंग सुविधा से वंचित लोगों की सेवा करना, उनके सबसे भरोसेमंद वित्तीय भागीदार बनना और भारत में हर घर का वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करना चाहते हैं। मुथूट फिनकॉर्प के लंबे समय के अनुभव, विशेषज्ञता और अर्ध शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पकड़ ने कंपनी को जनता को त्वरित और अनुकूलित वित्त विकल्प प्रदान करने में सक्षम बनाया है। मुथूट पप्पाचन ग्रुप के बारे में 1887 में स्थापित खुदरा व्यापार में अपनी जड़ें जमाने वाले इस समूह ने बाद में वित्तीय सेवाओं, आतिथ्य, ऑटोमोटिव, रियल्टी, आईटी सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा, कीमती धातुओं, वैश्विक सेवाओं और वैकल्पिक ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में विविधता ला दी। वर्तमान में एमपीजी के 40,000 से अधिक कर्मचारी हैं, जो देश भर में अपनी 5200 से अधिक शाखाओं के माध्यम से ग्राहकों की सेवा कर रहे हैं। समूह की सीएसआर शाखा मुथूट पप्पाचन फाउंडेशन स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और आजीविका (एचईईएल) पर ध्यान केंद्रित करते हुए पूरे समूह की कंपनियों के लिए सीएसआर गतिविधियों की सुविधा प्रदान करती है।

ब्रिटेन में बढ़ रहा भारत से निवेश; इन राज्यों से जा रहा सबसे ज्यादा पैसा

लंदन।
ब्रिटेन में भारत से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) करने वाले राज्यों में महाराष्ट्र शीर्ष पर रहा है। इसके बाद कर्नाटक और दिल्ली का नंबर आता है। कन्फेडरेशन आफ इंडियन इंडस्ट्रीज और ब्रिटेन में भारत के उच्चायोग की संयुक्त रिपोर्ट में यह बात कही गई है। लंदन में इसी सप्ताह की शुरुआत में पेश की गई रिपोर्ट से पता चलता है कि 2023 के दौरान भारत से ब्रिटेन में किए गए कुल एफडीआई में महाराष्ट्र में मुख्यालय वाली कंपनियों की 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रही है। इसके बाद 12 प्रतिशत के साथ कर्नाटक और 8.6 प्रतिशत के साथ दिल्ली हैं। शीर्ष-10 में अन्य राज्यों में 7.1 प्रतिशत के साथ गुजरात, 6.7 प्रतिशत के साथ तमिलनाडु, 6.5 प्रतिशत के साथ तेलंगाना, 5.9 प्रतिशत के साथ उत्तर प्रदेश, 4.5 प्रतिशत के साथ हरियाणा, 3.14 प्रतिशत के साथ बंगाल और 3.05 प्रतिशत के साथ केरल शामिल हैं।भारत से ब्रिटेन में कुल एफडीआई में शीर्ष-10 राज्यों की 78 प्रतिशत हिस्सेदारी रही है। हालांकि, रिपोर्ट में राशि के लिहाज से कुल एफडीआई की जानकारी नहीं दी गई है। भारत-ब्रिटेन में बढ़ रहा तालमेल रिपोर्ट जारी करते हुए ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने कहा कि भारत और ब्रिटेन तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य की जटिलताओं को समझने और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। भारत-ब्रिटेन गलियारे की पुनर्कल्पना करने वाले हमारे कारोबार सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य की समृद्धि के लिए हमारे साझा दृष्टिकोण और आकांक्षा को साकार करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार भारत से सबसे ज्यादा एफपीआइ पाने वाले क्षेत्रों में आइटी और साफ्टवेयर शामिल हैं। सीआइआइ के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि आज ब्रिटेन में परिचालन करने वाली भारतीय कंपनियों ने खुद को ब्रिटिश अर्थव्यवस्था में एकीकृत कर लिया है। भारतीय कंपनियों ने लगभग सभी प्रमुख क्षेत्रों के उद्योगों में अपनी पहचान बना ली है। रोजगार सृजन से निवेश को बढ़ावा बनर्जी ने कहा कि भारतीय कंपनियों की नवाचार और सार्थक साझेदारी की क्षमता ने न केवल उनके विकास को गति दी है ।

कम समय के निवेश में होगा तगड़ा मुनाफा, एसबीआई की सर्वोत्तम स्कीम में इन ग्राहकों को मिल रहा ज्यादा का फायदा

नई दिल्ली ।
रिटायरमेंट हो चुका है और अभी-अभी पीएफ का पैसा आया है तो ये जानकारी आपके काम की हो सकती है। यह किसी बेहतर जगह निवेश का मौका हो सकता है।

क्या आप जानते हैं देश का सबसे बड़ा पब्लिक सेक्टर बैंक एसबीआई अपने ग्राहकों के लिए कम समय के निवेश वाली योजनाएं भी पेश करता है।

यानी अगर आप अपना पैसा 1 या 2 साल से ज्यादा निवेश नहीं करना चाहते हैं तो एसबीआई की एक खास योजना आपके लिए ही है।

क्या है एसबीआई सर्वोत्तम स्कीम

दरअसल, हम यहां एसबीआई की सर्वोत्तम स्कीम की बात कर रहे हैं। इस स्कीम में सीनियर सिटिजन ग्राहकों को ज्यादा ब्याज का फायदा मिलता है। निवेश 1 साल या दो साल के लिए किया जा सकता है। इस स्कीम में निवेश के बाद पैसा तय समय के बाद ही निकाला जा सकता है। एसबीआई सर्वोत्तम स्कीम में कितना कर सकते हैं निवेश एसबीआई की ऑफिशियल वेबसाइट

पर दी गई जानकारी के मुताबिक, इस स्कीम में ग्राहक 1 करोड़ रुपये से ज्यादा रुपये का निवेश कर सकते हैं। हालांकि, ग्राहकों को 2 करोड़ रुपये या इससे ज्यादा का निवेश करने पर ब्याज की अलग दर ऑफर की जाती है। निवेश की राशि (1 करोड़ रुपये से ज्यादा और 2 करोड़ रुपये से कम) 1 साल के लिए निवेश करते हैं तो सीनियर सिटिजन ग्राहकों के लिए ब्याज की दर 7.60 प्रतिशत और सालाना यील्ड 7.82 प्रतिशत है। 2 साल के लिए निवेश करते हैं तो सीनियर सिटिजन ग्राहकों के लिए ब्याज की दर 7.90 प्रतिशत और सालाना यील्ड 8.14 प्रतिशत है।

पीएम मोदी ने मस्क से कहा, बिजनेस पार्टनर्स को मजबूत कारोबारी माहौल देगा भारत

नई दिल्ली ।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई देने के लिए टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क को धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि भारत के प्रतिभाशाली युवा और स्थिर लोकतांत्रिक राजनीति सभी बिजनेस पार्टनर्स के लिए सुरक्षित कारोबारी माहौल प्रदान करेगी।

अरबपति एलन मस्क ने प्रधानमंत्री को तीसरी बार फिर से चुने जाने पर बधाई दी थी। मस्क ने बताया कि उनकी कंपनियां जल्द ही भारत में निवेश करने की सोच रही हैं। एलन मस्क की बधाई पर पीएम मोदी ने कहा, आपकी बधाई के लिए शुक्रिया एलन मस्क।

पीएम मोदी ने कहा, देश के प्रतिभाशाली युवा, हमारी जनसांख्यिकी, पूर्वानुमानित नीतियां और स्थिर लोकतंत्र सभी बिजनेस पार्टनर्स के लिए कारोबारी माहौल प्रदान करना जारी रखेंगे। पीएम मोदी को बधाई देने के लिए मस्क ने एक्स पर लिखा था, दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक चुनाव में आपकी जीत पर बधाई, मुझे उम्मीद है कि मेरी कंपनियां भारत में अच्छा काम करेंगी। स्पेसएक्स और टेस्ला के सीईओ के 21 और 22 अप्रैल को भारत आने और पीएम मोदी से मिलने की उम्मीद थी।

हालांकि बाद में उन्होंने काम का हवाला देते हुए अपनी इस यात्रा को स्थगित कर दिया। वहीं मस्क ने बाद में कहा कि वह इस साल के अंत में भारत आ सकते हैं।

जून 2023 में मस्क ने अमेरिका में पीएम मोदी से मुलाकात की थी। तब टेक अरबपति ने विश्वास जताया था कि टेस्ला जल्द ही सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक के साथ भारतीय बाजार में प्रवेश करेगी।

टेस्ला के भारत में अपनी विनिर्माण इकाई स्थापित करने और बड़े पैमाने पर निवेश करने की उम्मीद है। कार निर्माता ने 2023 में भारत सरकार से देश में अपने वाहनों के आयात पर शुल्क में कटौती करने के लिए कहा था। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की थी और अपनी सरकार बनाने का दावा पेश किया। वह लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर बने रहने के लिए तैयार हैं। वह शपथ लेंगे। लोकसभा चुनावों में एनडीए ने 543 सीटों में से 293 सीटें जीती हैं।

रोसनेफ्ट के सीईओ इगोर सेचिन ने 2024 एसपीआईईएफ एनर्जी पैनल में दिया मुख्य भाषण

नई दिल्ली ।
रोसनेफ्ट के सीईओ इगोर सेचिन ने 2024 एसपीआईईएफ एनर्जी पैनल में मुख्य भाषण दिया। रोसनेफ्ट ऑयल कंपनी के सहयोग से एनर्जी पैनल का आयोजन सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम के दौरान किया गया था।इगोर सेचिन ने अपने भाषण में मौजूदा ऊर्जा बाजार का विश्लेषण प्रस्तुत किया, जो फिलहाल असंतुलन का सामना कर रहा है। रोसनेफ्ट प्रमुख ने एनर्जी ट्रांजिशन पर अपने भाषण में फोकस करते हुए कहा कि यह अब असफल हो रहा है।

उनके अनुसार, दुनिया भर में पिछले दो दशकों में एनर्जी ट्रांजिशन में लगभग 10 ट्रिलियन डॉलर के निवेश के बावजूद वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत पारंपरिक स्रोत को बदलने में विफल रहे हैं।

फिलहाल पवन और सौर ऊर्जा दुनिया के ऊर्जा उत्पादन का 5 प्रतिशत से भी कम है, और इलेक्ट्रिक वाहन लगभग 3 प्रतिशत ही हैं। इसी अवधि में, तेल, गैस और कोयले की खपत में कुल 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो कि पहले जैसा ही है। इगोर सेचिन ने कहा, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के विकास में पिछले दशकों में किए गए भारी निवेश से ऊर्जा बाजार में जीवाश्म ईंधन पर कोई फर्क नहीं पड़ा है। अपने मौजूदा स्वरूप में ग्रीन ट्रांजिशन की रणनीति ऊर्जा स्रोतों की उपलब्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित नहीं कर सकती। रोसनेफ्ट प्रमुख ने मल्टीपोलर वर्ल्ड के ढांचे के भीतर वैश्विक ऊर्जा सेक्टर को विकसित करने के लिए नए अवसर और तरीके खोजने की जरूरत पर भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जलवायु संकट में विकसित देशों का सबसे बड़ा योगदान है, जो कार्बन उत्सर्जन के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार है। संयुक्त राष्ट्र और गैर सरकारी शोध संस्थानों के आंकड़ों का हवाला देते हुए इगोर सेचिन ने कहा कि पिछले 200 साल में पैदा किए गए कार्बन उत्सर्जन में विकसित देशों का हिस्सा 65 प्रतिशत है, जबकि दुनिया की 10 प्रतिशत धनी आबादी आधे कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार है। दुनिया की सबसे अमीर 1 प्रतिशत आबादी सबसे गरीब 50 प्रतिशत आबादी की तुलना में दोगुना कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन करती है। अफ्रीका का पूरा महाद्वीप दुनिया के उत्सर्जन का 4 प्रतिशत से भी कम कार्बन डाइऑक्साइड का उत्पादन करता है। इसके अलावा, इगोर सेचिन ने कहा कि एनर्जी ट्रांजिशन संतुलित होना चाहिए और ऐसा करते समय ज्यादा से ज्यादा लोगों के हितों को ध्यान में रखना चाहिए जो आने वाले वर्षों में ऊर्जा खपत में वृद्धि सुनिश्चित करेगा, खास कर विकासशील देशों में। उन्होंने यह भी कहा कि ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त करने के लिए, ऊर्जा के स्रोतों की पर्याप्तता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना आवश्यक है। रोसनेफ्ट सीईओ ने कहा, ग्रीन एजेंडा के प्रचार का वास्तव में मतलब है कि दुनिया की अधिकांश आबादी ऊर्जा से वंचित रखना। तेल और गैस की आपूर्ति के बिना ऊर्जा असमानता को दूर करना असंभव है। उन्होंने कहा कि एशिया और अफ्रीका के विकासशील देशों में आने वाले समय में बिजली की मांग बढ़ेगी। 2030 तक, विकासशील देशों में मांग वृद्धि कुल मिलाकर वैश्विक खपत वृद्धि का 95 प्रतिशत हो जाएगी, क्योंकि यहां जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में, जीवाश्म संसाधनों की खपत में कमी करने का मतलब होगा कि भूख और गरीबी की समस्या न केवल बनी रहेगी बल्कि और बदतर होगी।

इगोर सेचिन ने कहा, एक तरफ, तेल और गैस को हटाने का मतलब है कि जीवन के आधुनिक तरीके को छोड़ना होगा। दूसरी तरफ, कई देशों में तेल की खपत में वृद्धि का मतलब है आधुनिक जीवन अपनाना। उन्होंने कहा कि तेल की मांग में सबसे अधिक वृद्धि एशियाई देशों में होगी, जो रूस के मुख्य व्यापारिक भागीदार हैं। उधर, भारत की अर्थव्यवस्था ने हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। 2010 के बाद से, ऊर्जा की मांग में भारत में 45 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

देश दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता बन गया है। अगले पांच साल में, अपनी मजबूत आर्थिक गति जारी रखते हुए भारत 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बन जाएगा और यह दुनिया की शीर्ष तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। 2050 तक अर्थव्यवस्था के आकार के मामले में भारत अमेरिका से आगे निकल सकता है। भारत की ऊर्जा खपत 2050 तक 90 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी, जो दुनिया की सबसे तेज विकास दरों में से एक है। प्रतिबंधों के बावजूद, वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में रूस वर्ल्ड लीडर के रूप में अपनी भूमिका बरकरार रखेगा। रूस अपनी ऊर्जा विकास क्षमता जारी रखते हुए वैश्विक ऊर्जा बाजार में अपनी स्थिति को और मजबूत करेगा। हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र में रूसी निर्यात को बढ़ाने के महत्त्व पर ज़ोर दिया था।

इगा स्वियातेक ने चौथी बार जीता फ्रेंच ओपन का खिताब फाइनल में पाओलिनी को 6-2, 6-1 से हराया

पेरिस ।
फ्रेंच ओपन 2024 के महिला एकल के फाइनल में विश्व नंबर एक पोलैंड की इगा स्वियातेक ने 12वीं वरीयता प्राप्त इटली की जैस्मिन पाओलिनी को लगाताक सेटों में 6-2, 6-1 से हरा दिया है। स्वियातेक इस खिताब की डिफेंडिंग चैंपियन भी थीं। यह उनका चौथा फ्रेंच ओपन खिताब रहा। वह 2020, 2022 और 2023 में चैंपियन बनी थीं। वहीं, पाओलिनी पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंची थीं। हालांकि, इस युवा खिलाड़ी को स्वियातेक के हाथों खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। एकतरफा अंदाज में जीता फाइनल शीर्ष रैंकिंग वाली स्वियातेक ने पेरिस में पांच साल में चौथी बार फ्रेंच ओपन का खिताब हासिल किया। वह जस्टिन हेनिन (2007-09) के बाद लगातार तीन बार फ्रेंच ओपन जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। स्वियातेक ने सेमीफाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ को 6-2, 6-4 से पराजित किया था। वहीं, फाइनल में भी स्वियातेक ने पाओलिनी को कोई मौका नहीं दिया और एकतरफा अंदाज में जीत हासिल की। स्वियातेक नहीं जीत पाई हैं ये दो ग्रैंडस्लैम इसके अलावा स्वियातेक 2022 में यूएस ओपन का खिताब भी जीत चुकी हैं। हालांकि, इस चैंपियन खिलाड़ी के नाम ऑस्ट्रेलिया ओपन और विंबलडन का खिताब नहीं है। ऑस्ट्रेलियन ओपन (2022) में वह सेमीफाइनल तक पहुंच पाई हैं। वहीं, विंबलडन (2023) में वह क्वार्टर फाइनल तक पहुंच पाई हैं।

इटली की जैस्मिन पाओलिनी ने सेमीफाइनल में मिर्रा आंद्रीवा को 6-3, 6-1 से हराकर फ्रेंच ओपन फाइनल में प्रवेश किया था। यह उनके कैरियर का पहला ग्रैंड स्लैम फाइनल रहा। वर्ल्ड रैंकिंग में 12वें स्थान पर मौजूद पाओलिनी उलटफेर करने के मकसद से उतरी थीं, लेकिन ऐसा नहीं कर सकीं। वह 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे राउंड से बाहर हुई थीं। वहीं, 2021, 2022 और 2023 में विंबलडन में पहले राउंड से ही बाहर हुई थीं। 2021 में यूएस ओपन में वह दूसरे राउंड से बाहर हो गई थीं।

न्यूज ब्रीफ

हज यात्रा पर रवाना हुईं सानिया मिर्जा

नई दिल्ली। पूर्व टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा हज यात्रा पर रवाना हो गई हैं। सानिया ने सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी और कहा कि उन्हें काफी इंतजार के बाद इस पवित्र यात्रा पर जाने का अवसर मिला है। सानिया मिर्जा हज की अपनी पवित्र यात्रा शुरू कर चुकी हैं। पूर्व टेनिस खिलाड़ी ने अपने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि उन्हें पवित्र यात्रा पर निकलने का अविश्वसनीय अवसर मिला है क्योंकि वह जल्द ही सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का में होंगी। अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किए गए एक लंबे नोट में, सानिया ने लिखा, मेरे प्यारे दोस्तों, मैं एक नए अनुभव की तैयारी कर रही हूं। मैं आप सभी से अपनी सभी गलतियों की माफ़ी मांगती हूं। मेरा दिल इस समय काफी भावुक और कृतज्ञता से भरा हुआ है। मुझे उम्मीद है कि अल्लाह मेरी प्रार्थनाओं को स्वीकार और मेरा मार्गदर्शन करेंगे। मिर्जा ने आगे कहा, मैं बहुत भाग्यशाली हूं। कृपया मुझे अपने विचारों और प्रार्थनाओं में रखें। मैं जीवन की एक बेहद खास यात्रा पर निकल रही हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं एक बेहतर इंसान के रूप में एक अच्छा दिल और मजबूत ईमान के साथ वापस आऊंगी। बता दें, इससे पहले सानिया मिर्जा उमरा कर चुकी हैं। पिछले साल टेनिस से संन्यास लेने के ठीक बाद सानिया ने अपने करीबी लोगों के साथ उमरा किया था। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उनके माता-पिता बहन और उनके बेटे नज़र आए। उन्होंने कैप्शन लिखा था, अल्हम्दुलिल्लाह। अल्लाह हमारी दुआएं स्वीकार करे। हज और उमरा में क्या अंतर है जो लोग नहीं जानते, उनके लिए हज हर मुसलमान के लिए फर्ज (अनिवार्य) है, जबकि उमरा एक सुन्नत है। सरल शब्दों में, हज जिसे इस्लाम का पांचवां स्तंभ भी कहा जाता है, एक लंबी और धार्मिक यात्रा है जो साल के एक निश्चित समय के दौरान ही की जाती है। दूसरी ओर, उमरा एक छोटी तीर्थयात्रा है जिसे साल के किसी भी समय किया जा सकता है।

फाइनल में 21 साल की पहलवान से हारीं अंशु मलिक, रजत पदक से करना पड़ा संतोष

बुडापेस्ट । बर एक रैंक वाले चीनी खिलाड़ी के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हुए, अंशु 53 किग्रा वर्ग में

हांगझोऊ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 1-12 से हारीं। भारतीय महिला पहलवान अंशु मलिक फाइनल में अपनी 21 वर्षीय चीनी प्रतिद्वंद्वी केक्सिन होंग के कौशल की बराबरी नहीं कर सकीं और यहां बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज़ के 57 किग्रा वर्ग में रजत पदक से हार गईं। नंबर एक रैंक वाले चीनी खिलाड़ी के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हुए, अंशु 53 किग्रा वर्ग में हांगझोऊ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 1-12 से हारीं। अंशु ने मोल्दोवा की अनास्तासिया निचिता के खिलाफ 6-5 से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में जगह पक्की की थी। जब निचिता 5-4 से आगे थी और घड़ी में केवल 19 सेकंड शेष थे, तब अंशु ने किनारे पर टेकडाउन करके 6-5 की बढ़त हासिल कर करीबी मुकाबला जीता था। इसके बाद उन्होंने विश्व चैंपियन झांग क्यूई को 2-1 से हराकर एक अन्य चीनी खिलाड़ी के साथ खिताबी मुकाबला पक्का किया था। हालांकि, हांग अंशु के खिलाफ बेहतर साबित हुईं। उन्होंने शुरुआती राउंड में 4-1 की बढ़त ले ली और दूसरे राउंड में अपनी क्लास कायम की और 11 सेकंड शेष रहते हुए अजेय बढ़त ले ली। भारत की अंतिम पंघाल ने इससे पहले 53 किग्रा वर्ग में रजत पदक हासिल करने के लिए कड़ा संघर्ष किया था, जबकि स्टार पहलवान विनेश फोगाट 50 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में चीन की जियांग झू से 0-5 से हार गईं थीं।

मैदान में बल्लेबाजों को परेशान करने में बहुत मजा आता है: सौरभ अमेरिका टीम में भारतीय मूल के खिलाड़ी ने किया खुलासा

नई दिल्ली। अमेरिका की पाकिस्तान पर जीत में भारतीय मूल के तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर ने अहम

रोल निभाया है। सौरभ ने सुपर ओवर में शानदार गेंदबाजी कर अमेरिका को जीत दिलाई। सौरभ भारत की ओर से अंडर 19 वर्ल्ड कप खेल चुका है। सौरभ का कहा कि उन्हें मैदान के बाहर 'कोडिंग' करने और मैदान के अंदर बल्लेबाजों को परेशान करने में बहुत मजा आता है। अमेरका ने पाकिस्तान को हराकर विश्व कप में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर ने सुपर ओवर में पूर्व चैंपियन पाकिस्तान को लक्ष्य छूने नही दिया जिससे अमेरिका टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर करने में सफल रही। इससे सौरभ चर्चा का विषय बन गए। सौरभ ने कहा कि यह केवल एक मैच था जिसमें हमने अच्छा प्रदर्शन किया।

डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड वर्ल्ड कप से बाहर होने की कगार पर

ऑस्ट्रेलिया ने 36 रनों से हराया ; अब अगले दोनों मुकाबले जीतने ही होंगे

नई दिल्ली।
वनडे वर्ल्ड कप में 7वें नंबर पर रही इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप में भी खराब शुरुआत की है। स्कॉटलैंड के खिलाफ पहला मैच बारिश में धुलने के बाद टीम को दूसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 36 रन की हार का सामना करना पड़ा है।

इस हार के बाद डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लिश टीम इस टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर है। अब उसे अगले दोनों मुकाबले जीतने ही होंगे, अगर मैच रिजल्ट इंग्लैंड के फेवर में नहीं रहते तो टीम सुपर-8 से पहले ही बाहर हो जाएगी।

बारबडोस के केनिंग्सटन ओवल में इंग्लैंड के कप्तान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 201 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड 20 ओवर में 6 विकेट पर 165 रन ही बना सकी। एडम जम्पा प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने 4 ओवर पर 28 रन देकर 2 विकेट लिए।

इंग्लैंड को अगले दोनों मैच जीतने ही होंगे - 17वें मैच के बाद इंग्लैंड ग्रुप-बी में चौथे स्थान पर है और टीम के खाते में महज एक अंक है, वहीं ऑस्ट्रेलिया 4, स्कॉटलैंड 3 और नामीबिया 2 अंक के साथ क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

यही वह मोमेंट है, जहां डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड टी-20 वर्ल्ड कप का 17वां मैच हार गई। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जम्पा ने अपने स्पेल के दूसरे ओवर में जोस बटलर को आउट किया। बटलर 42 रन बनाकर आउट हुए। जम्पा ने पिछले ओवर की पहली बॉल पर फिल

सॉल्ट को आउट करके 73 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप ब्रेक की।

इस जोड़ी ने पिछले ओवर में मिचेल स्टार्क पर 2 छक्के और एक चौका लगाया था। ऐसा लग रहा था कि सीजन का पहला 200+ का स्कोर आसानी से चेज हो जाएगा, लेकिन बटलर के आउट होने के बाद इंग्लिश टीम के विकेट गिरने लगे और टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 165 रन तक ही पहुंच सकी।

ऑस्ट्रेलिया की जीत के हीरो

1. डेविड वॉर्नर - ओपनिंग करते हुए 16 बॉल पर 39 रन की अहम पारी खेली। उनकी पारी में 2 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। उन्होंने 243.75 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। हेड के साथ 70 रन की ओपनिंग साझेदारी की।

2. ट्रैविड हेड - डेविड वॉर्नर के साथ मिलकर टीम को विस्फोटक शुरुआत दिलाई। 18 गेंद पर 34 रन बनाए। हेड ने 2 चौके और 3 छक्के जमाए। उन्होंने 188.89 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

3. पैट कमिंस : अपने कोटे के 4 ओवर में 2 विकेट चटकाए। मिडिल ऑर्डर में पारी संभालने की कोशिश कर रहे मोइन अली और लियम लिविंगस्टन को आउट किया। कमिंस ने 5.80 की इकोनॉमी से महज 23 रन खर्च किए।

4. मार्कस स्टोयनिस : 8 की इकोनॉमी से गेंदबाजी की और 3 ओवर में 24 देकर एक विकेट भी लिया। स्टोयनिस ने विल जैक्स को 10 रन के स्कोर पर आउट किया। ऐसे में इंग्लिश टीम ओपनर्स के झटकों से उबर नहीं सकी।

इंग्लैंड की हार की 3 वजहें

ओपनिंग पार्टनरशिप टूटी 202 रन का टारगेट चेज कर रही इंग्लैंड ने 7 ओवर में बिना नुकसान 73 रन बना लिए थे, लेकिन 8वां ओवर डालने आए एडम जम्पा ने पहली बॉल पर पर फिल सॉल्ट को बोल्ड कर के ओपनिंग पार्टनरशिप ब्रेक की। इसी टीम की हार की वजह बना। मोइन अली का विकेट मोइन अली ने 15 बॉल पर 166.67 के स्ट्राइक रेट से 25 रन बना लिए थे। वे जॉनी बेयरस्टो के साथ 28 रन की पार्टनरशिप कर चके थे। ऐसे में वापसी की थोड़ी उम्मीद थी।

लिविंगस्टोन और ब्रूक की स्लो-बैटिंग मिडिल ओवर्स में हैरी ब्रूक और लियम लिविंगस्टोन ने स्लो-बैटिंग की। ब्रूक 16 बॉल पर 20 और लिविंगस्टोन ने 12 बॉल पर 15 रन बनाए।

मैच का टर्निंग पॉइंट: एडम जम्पा - प्लेयर ऑफ द मैच एडम जम्पा कंगारू टीम के मैच विनर रहे। वे इंग्लिश पारी के 8वें ओवर में गेंदबाजी करने आए और पहले ही बॉल में इंग्लिश ओपनर फिल सॉल्ट को आउट करके 73 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप ब्रेक की। फिर अगले ओवर में जोस बटलर को भी पवेलियन भेज दिया। जम्पा ने 4 ओवर में 28 रन देकर 2 विकेट लिए।

फाइटर ऑफ द मैच- जोस बटलर - इंग्लिश कप्तान जोस बटलर फाइटर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने ओपन करते हुए 28 बॉल पर 42 रन बनाए और सॉल्ट के साथ 73 रनों की साझेदारी की।

मैच के लिए दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

इंग्लैंड: जोस बटलर (कप्तान और विकेटकीपर), फिल साल्ट, विल जैक्स, जॉनी बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, मोइन अली, लियाम लिविंगस्टोन, क्रिस जॉर्डन, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद और मार्क वुड।

ऑस्ट्रेलिया : मिचेल मार्श (कप्तान), डेविड वार्नर, ट्रैविस हेड, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोयनिस, टिम डेविड, मैथ्यू वेड (विकेट कीपर), पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, एडम जम्पा और जोश हेजलवुड।

संचार की कमी से कुछ फैसले थे जो मेरे पक्ष में नहीं आए : श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली।
भारतीय क्रिकेट के दाएं हाथ के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह अपने शरीर पर काम करना चाहते थे लेकिन संचार की कमी के चलते उन्हें टीम इंडिया के साथ-साथ केंद्रीय अनुबंध से हाथ धोना पड़ा। पिछले साल मार्च में पहली बार पीठ में चोट लगने के बाद श्रेयस अय्यर वनडे विश्व कप में भी खेले और शानदार प्रदर्शन भी किया था। उन्होंने टूर्नामेंट में 530 रन बनाए थे। श्रेयस अय्यर ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा कि वह वनडे विश्व कप के बाद अपने शरीर पर काम करने के लिए ब्रेक लेना चाहते थे लेकिन गलत संचार के कारण उन्हें निराशा मिली। वह रणजी ट्रॉफी और आईपीएल जीतने में सक्षम होने पर खुशी व्यक्त करने से पहले बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करके झटके का जवाब देना चाहते थे।

उन्होंने कहा कि विश्व कप मेरे लिए खास था। मैं उसके बाद ब्रेक लेना चाहता था, कुछ क्षेत्रों में अपनी ताकत बनाना चाहता था - संचार की कमी के कारण, कुछ फैसले थे जो मेरे पक्ष में नहीं आए। दिन के अंत में बल्ला हमेशा मेरे हाथ में रहेगा और प्रदर्शन करना और ट्रॉफियां जीतना मुझ पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि मैं जानता था कि एक बार जब मैं रणजी ट्रॉफी और आईपीएल जीत लूंगा, तो जो कुछ भी हुआ उसका यह एक उपयुक्त जवाब होगा। अतीत में, शुक्र है कि सब कुछ सही जगह पर हुआ, हमारे पास भविष्य में जीतने के लिए बहुत सारी ट्रॉफियां हैं। अप्रैल 2023 में पीठ की सर्जरी कराने के बाद अय्यर ने कहा कि बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में नेट्स प्रक्टिस में खुद को कड़ी मेहनत करने से उन्हें आत्मविश्वास हासिल करने में मदद मिली। सर्जरी के बाद, वह एनसीए में थे, नेट्स पर अभ्यास कर रहे थे। उन्होंने कि उन्होंने अपने जीवन में कभी इतने लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं की। वह हमेशा खुद को नेट्स में बल्लेबाजी करने से रोकता था क्योंकि मुझे शिकायत थी कि विकेट उतने अच्छे नहीं थे।

22वीं सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चौम्पियनशिप पिस्टल में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने जीते 03 पदक

भोपाल।
म.प्र. राज्य शूटिंग अकादमी ग्राम गौरा भोपाल में 22वीं सुरेन्द्र सिंह मैमोरियल शूटिंग चौम्पियनशिप (रायफल/पिस्टल) का आयोजन भारतीय राष्ट्रीय रायफल महासंघ, नई दिल्ली के तकनीकी सहयोग से किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश के खिलाडियों ने 01 रजत और 02 कांस्य सहित 03 पदक अर्जित किये

प्रतियोगिता में खिलाडी कु. सुनिधि चौहान ने 50 मी. रायफल प्रोन-वूमेन स्पर्धा में 01 कांस्य पदक, एवं 50 मी. रायफल प्रोन जूनियर वूमेन स्पर्धा में कु. नुपुर कुमरावत ने 01 रजत और 50 मी. रायफल प्रोन-वूमेन टीम स्पर्धा में कु. सुनिधि चौहान, कु. नुपुर कुमरावत और कु सौम्या रघुवंशी ने 01 कांस्य सहित कुल 03 पदक अर्जित किये है।

सभी पदक विजेता खिलाड़ियों का खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने उत्साहवर्धन करते हुये बधाई दी है।

उल्लेखनीय है कि म.प्र. राज्य शूटिंग अकादमी परिसर ग्राम गौरा में आयोजित इस प्रतियोगिता में देश भर के लगभग 4000 खिलाड़ी प्रतिभागिता कर रहे है। प्रतियोगिता में रायफल और पिस्टल के मुकाबले खेले जा रहे है।

उत्तर प्रदेश की बेटी ने रचा इतिहास, यूएफसी फाइट जीतने वाली पहली महिला बनी, डेब्यू में मचाया धमाल

नई दिल्ली ।
पूजा तोमर ने यूएफसी मैच जीतकर इतिहास रच दिया है। वह अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप मैच जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। रविवार को अपने डेब्यू मैच में उन्होंने रेयान अमांडा डॉस सैंटोस को हराकर 30-27, 27-30, 29-28 के विभाजित निर्णय से जीत हासिल की। मुकाबला जीतने के बाद पूजा ने अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा, हमारे भारतीय गीत और भारतीय ध्वज के साथ बाहर निकलते हुए मेरे रोंगटे खड़े हो गए और मुझे गर्व महसूस हुआ।

साइक्लोन के नाम से हैं मशहूर - 'साइक्लोन' के नाम से मशहूर पूजा तोमर को भारतीय सर्किट की सबसे बेहतरीन महिला फाइटर्स में से एक माना जाता है। 28 वर्षीय खिलाड़ी ने जीत के बाद कहा, यह जीत मेरी जीत नहीं है। यह जीत सभी भारतीय प्रशंसकों और सभी भारतीय सेनानियों के लिए है। इससे पहले कि हर कोई सोचता कि भारतीय सेनानी कहीं नहीं टिकते। मैंने केवल यही सोचा कि मुझे जीतना है और दुनिया को दिखाना है कि भारतीय सेनानी हारे नहीं हैं।

कौन हैं पूजा तोमर - उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के बुढाना गांव में जन्मीं तोमर

पिछले साल यूएसी के साथ अनुबंध हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला फाइटर बनीं। पूर्व राष्ट्रीय वुशु चैंपियन तोमर ने मैट्रिक्स फाइट नाइट और वन चैंपियनशिप सहित अन्य चैंपियनशिप में शामिल हो चुकी हैं। लगातार चार हार के बाद, उन्होंने वन चैम्पियनशिप छोड़ दी और 2021 में मैट्रिक्स फाइट नाइट में शामिल हो गईं। उन्होंने एमएफएन में चार मुकाबले जीते, आखिरी बार जुलाई में रूस की अनास्तासिया फेओफानोवा के खिलाफ खिताब का बचाव किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह इंडोनेशिया के बाली में सोमा फाइट क्लब में ट्रेनिंग करती हैं, जहां अंशुल जुबली ने यूएफसी फाइट्स के लिए ट्रेनिंग ली थी।

वेस्टइंडीज की टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी जीत

युगांडा को 134 रन से हराया; अकील होसेन ने 5 विकेट झटके

नई दिल्ली।
आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के 18वें मैच में वेस्टइंडीज ने युगांडा को 134 रन से हरा दिया। टी-20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज की रन के लिहाज से यह सबसे बड़ी जीत है। वहीं टूर्नामेंट के इतिहास की यह दूसरी सबसे बड़ी जीत है। सबसे बड़ी जीत श्रीलंका के नाम दर्ज है। टीम ने 2007 टी-20 वर्ल्ड कप में केन्या को 172 रन से हराया था। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतने के बाद युगांडा को 174 रन का टारगेट दिया था। जवाब में युगांडा की टीम 12 ओवर में 39 रन पर ही ऑलआउट हो गई। युगांडा ने टी-20 के सबसे छोटे स्कोर की बराबरी की है। इससे पहले 2014 में नीदरलैंड भी श्रीलंका के खिलाफ 39 रन पर ऑलआउट हो गया था। वेस्टइंडीज के लिए अकील होसेन ने सबसे ज्यादा 5 विकेट झटके। उन्होंने इस दौरान महज 11 रन दिए। टी-20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज के लिए यह बेस्ट बॉलिंग फिगर है। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वेस्टइंडीज इस वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी जीत के दूसरे नंबर पर है। इस ग्रुप में अफगानिस्तान टॉप पर है। दोनों टीमों ने लगातार दोनों मैच जीते हैं और दोनों के 4-4 पॉइंट्स हैं, लेकिन अफगान टीम बेहतर रन रेट के कारण टॉप पर है।

मैच के हीरोज

अलजारी जोसेफ : वेस्टइंडीज की ओर से होसेन के अलावा जोसेफ ने दो विकेट झटके। उन्होंने 3 ओवर में 2.00 की इकोनॉमी से महज 6 रन दिए। उन्होंने ब्रायन मसाबा और फ्रैंक नसुबुगा को आउट किया।

जॉनसन चार्ल्स : विंडीज के टॉप स्कोरर चार्ल्स रहे। उन्होंने 42 गेंदों पर 44 रन बनाए। उन्होंने पहले विकेट के लिए ब्रैंडन किंग के साथ 24 बॉल पर 41 रन की साझेदारी की। यह मैच की सबसे बड़ी पार्टनरशिप रही।

आंद्रे रसेल : वेस्टइंडीज के पारी के अंत के ओवरों में आंद्रे रसेल ने 17 गेंदों पर छह चौकों की मदद से नाबाद 30 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 176.47 का रहा।

3. फाइटर ऑफ द मैच - युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा फाइटर ऑफ द मैच रहे। मसाबा ने अपने स्पेल में 2 विकेट झटके, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उन्होंने विंडीज कप्तान रोवमैन पॉवेल और निकोलस पूरन को पवेलियन भेजा।

वेस्टइंडीज की पारी : जॉनसन चार्ल्स ने 42 गेंदों पर 44 रन बनाए वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला लिया। पहले बैटिंग करते हुए वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 173 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज के लिए जॉनसन चार्ल्स ने 42 गेंदों पर 44 रन बनाए, जबकि अंत के ओवरों में रसेल ने 17 गेंदों पर छह चौकों की मदद से नाबाद 30 रन बनाए। युगांडा के लिए कप्तान ब्रायन मसाबा ने 31 रन देकर 2 विकेट झटके। युगांडा की पारी : टीम के 10 खिलाड़ी दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच सके 174 रनों के बड़े टारगेट का पीछा करने उतरी युगांडा की शुरुआत खराब रही। पहला विकेट पहले ही ओवर में गिर गया। युगांडा के 10 खिलाड़ी दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच सके। जुमा मियागी ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 13 रन बनाए। होसेन के अलावा अल्जारी जोसेफ को 2 सफलताएं मिलीं। रोमारियो शेफर्ड, आंद्रे रसेल और गुडाकेश मोती को 1-1 विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

वेस्टइंडीज : रोवमैन पॉवेल (कप्तान), ब्रैंडन किंग, जॉनसन चार्ल्स, निकोलस पूरन (विकेट कीपर), रोस्टन चेज, शेरफेन रदरफोर्ड, आंद्रे रसेल, रोमारियो शेफर्ड, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ और गुडाकेश मोती।

युगांडा : ब्रायन मसाबा (कप्तान), साइमन सेसाजी (विकेट कीपर), रोजर मुकासा, रॉबिन्सन ओबुया, रॉबिन्सन ओबुया, रियाजत अली शाह, अल्पेश रामजानी, दिनेश नकरानी, जुमा मियागी, केनेथ वैसवा, कॉसमास क्यवुता और फ्रैंक नसुबुगा।

गुस्सा झट से हो जाएगा गायब, बस अपनाएं ये टिप्स

कहते हैं गुस्सा व्यक्ति को चंड़ाल बना देता है। बात-बात पर गुस्सा करने वाले इंसान से परिवार वाले और उसके आस-पास के लोग परेशान हो जाते हैं। कई बार तो इस तरह के व्यक्ति से लोग बात करने से भी कतराते हैं। किसी परेशानी,तनाव,बिजनेस या नौकरी का परेशानी और रिश्तों में बढ रही दूरियां को कारण भी गुस्सा आने लगता है। कई बात तो इससे कुछ लोग खुद भी परेशान हो जाते हैं। इसके लिए आप कुछ उपाय अपना कर इससे समस्या से राहत पा सकते हैं।

1. गुस्सा आने पर किसी से बात करने की बजाए कुछ देर के लिए अकेले बैठ जाएं। मांसपेशियों को रिलैक्स करें। इससे गुस्सा शांत हो जाएगा।

2. किसी बात से परेशान हैं तो गुस्सा होने की बजाए गहरी सांस भरे और आंखे बंद करके खुद को शांत करने की कोशिश करें।

3. गुस्से को दूर करने के लिए सबसे बेहतर तरीका है कि माहौल को खुशनुमा बनाएं। बढ़िया से परफ्यूम की महक लें। आप हैरान जाएंगे कि इससे गुस्सा खुशी में बदल जाएगा।

4. ठंड़ा पानी पीने से भी गुस्सा शांत हो जाता है। परेशानी को दूर करने के लिए उल्टी गिनती गिनना शुरू करें।

कैंसर का इलाज करें खीरा, और भी कई बीमारियां में फायदेमंद

खीरा, इसे लोग सालाद के रूप में बड़े शौक से खाते हैं। सालाद के अलावा भी इसे सैंडविच या फास्ट में भी बहुत इस्तेमाल किया जाता है। खीरा खाना सेहत के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है। इससे शरीर में हमेशा ताजगी बनी रहती है। आइए जानते हैं इसके सेहत संबंधी फायदों के बारे में...

कब्ज : कब्ज होने पर खीरा खाने से पेट की परेशानी दूर होती है। इसे अपने खाने में जरूर शामिल करना चाहिए। रोजाना इसके सेवन से कब्ज से राहत पाई जा सकती है।

ब्लड प्रैशर : हाई ब्लडप्रैशर से राहत पाने के लिए खीरे का सेवन बहुत अच्छा होता है। इसमें पानी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है और यह शरीर को ठंड़ा रखता है।

कैंसर : इसमें बहुत से ऐसे तत्व होते हैं जो कैंसर से रोकथाम करने में मददगार हैं और यह बहुत अच्छा एन्टीऑक्सिडेंट भी है। जिससे प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है।

वजन घटाएं : खीरे में कैलोरी बहुत कम और फाइबर ज्यादा होता है। मीड डे की भूख को शांत करने के लिए खीरा खाएं। जिससे पेट देर तक भरा रहता है और वजन कम हो जाता है।

किडनी : खाने में हर रोज इसका इस्तेमाल करने से पथरी की परेशानी से बचा जा सकता है। यह पित्ते और कीडनी की पथरी से बचाए रखती है। खीरे के रस को दिन में 2-3 बार पीना लाभकारी होता है।

कोलेस्ट्रोल : खीरे में कोलेस्ट्रोल बिल्कुल नही होता। दिल के मरीजों के लिए खीरा खाना बहुत अच्छा होता है। इसमें पाया जाने वाला स्ट्रेरोल तत्व कोलेस्ट्रोल को कम करने में मदद करता है।

पीरियड़ का दर्द दूर : जिन लड़कियों को मासिक धर्म के दौरान काफी परेशानी होती है वो दही में खीरे को कद्दूकस करके उसमें पुदीना,काला नमक, काली मिर्च, जीरा और हींग डालकर खाएं। इससे काफी आराम मिलेगा।

साइकिल चलाने के ये फायदे

क्या कभी किसी ने बताए हैं आपको...

अगर आप वजन घटाने की सारी कोशिशें करके हार चुके हैं तो कुछ दिन साइकिल चलाकर देखें. अगर आपको फिट बॉडी की ख्वाहिश है तो साइकिल चलाना शुरू करें. साइकिलिंग से बेहतर शायद ही कोई दूसरी एक्सरसाइज हो. अगर आपको फिट और एक्टिव बॉडी चाहिए तो आज से ही साइकिल चलाना शुरू कर दें.

जरूरी नहीं है कि आप साइकिल चलाने के लिए अलग से समय निकालें. आप चाहें तो अपने रोजाना के कामों को पूरा करने के लिए ही साइकिल चला सकते हैं. ये छोटी सी कोशिश आपको व्यायाम जितना फायदा पहुंचाएगी. आप चाहें तो सुबह दूध लाने के लिए साइकिल चलाकर दुकान तक जा सकते हैं. हर रोज कुछ मिनट साइकिल चलाकर ही आप फिट और आकर्षक बॉडी पा सकते हैं. इसके अलावा भी साइकिल चलाने के कई फायदे हैं।

1. सुरक्षित रखने में मददगार

अगर आप हर रोज कुछ देर के लिए भी साइकिल चला रहे हैं तो आप में दिल से जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा कम हो जाता है. इससे धड़कन तेज होती है और ब्लड सर्कुलेशन ठीक होता है.

2. मांसपेशियों की मजबूती के लिए

साइकिल चलाने से पैरों की अच्छी एक्सरसाइज हो जाती है और इससे पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं.

3. वजन घटाने का बेहतरीन उपाय

नियमित रूप से साइकिल चलाकर आप कुछ ही दिनों में वजन कम कर सकते हैं.

ये शरीर में मौजूद अतिरिक्त चर्बी को घटाने में मददगार है. रोजाना साइकिल चलाकर आप फिट और एक्टिव बॉडी पा सकते हैं.

4. इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने में मददगार

रोजाना साइकिल चलाने से इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है. जिससे रोगों से लड़ने की क्षमता भी बढ़ती है.

5. तनाव से राहत दिलाने में मददगार

नियमित रूप से साइकिल चलाने वालों को अवसाद की शिकायत होने की आशंका बहुत कम होती है.

इन चीजों से करेंगे साफ तो चमक जाएंगे सफेद जूते

सफेद जूते पर्सनेलिटी को भी चार चांद लगा देते हैं। आजकल वैसे भी इस रंग के जूतों का काफी ट्रैंड है लेकिन कुछ लोग सिर्फ इस वजह से सफेद जूते पहनना पसंद नहीं करते क्योंकि ये बहुत जल्दी गंदे हो जाते हैं। ज्यादातर स्कूल के बच्चे और एक्सरसाइज करते समय लोग सफेद स्पोर्ट शूज पहनते हैं लेकिन बारिश के दिनों में कीचड़ और मिट्टी की वजह से ये गंदे हो जाते हैं। इन्हें साफ करने के लिए कई लोग जूतों को वॉशिंग मशीन में डाल देते हैं लेकिन इससे जूते खराब हो जाते हैं और अच्छे से साफ भी नहीं होते। ऐसे में कुछ आसान तरीके अपनाकर इन्हें मिनटों में साफ किया जा सकता है।

1. एक चम्मच बाइकार्बोनेट सोडा, आधा चम्मच पानी और आधा चम्मच हाईड्रोजन पेरोक्साइड को एक बाउल में डालकर पेस्ट बना लें।

2. अब जूतों के तस्मों को निकाल लें और टूथब्रश की मदद से इस पेस्ट को जूतों पर लगाएं। अब इन तस्मों को बाउल में डाल दें ताकि बचा हुआ पेस्ट उन पर लग जाए।

3. पेस्ट लगे जूतों और तस्मों को 4-5 घंटों के लिए धूप में सूखने के लिए रख दें।

4. जब जूतों का पेस्ट सूख जाए तो इन्हें डिट्रजैंट से धोएं और धूप में सूखने के लिए रख दें। इससे जूते एक दम चमक उठेंगे।

मानसून में करें इन साबुनों का इस्तेमाल, त्वचा में आएगा निखार

बारिश के मौसम में वातावरण में मौजूद नमी आपकी त्वचा को प्रभावित कर सकती है, ऐसे में कुछ मामूली बदलाव और आयुर्वेदिक साबुन के इस्तेमाल से त्वचा की चमक व ताजगी बरकरार रखी जा सकती है. बायोटिक के सौंदर्य विशेषज्ञों और सोल फ्लॉवर के प्रबंध निदेशक शारदा ने मानसून के दौरान त्वचा की देखभाल से संबंधित कुछ सुझाव दिए हैं.

1. आयुर्वेदिक और हर्बल साबुन त्वचा के पीएच बैलेंस को प्रभावित किए बिना सौम्यता से शरीर की अशुद्धियों को दूर करते हैं. इस मौसम में बैक्टीरिया और गंदगी से त्वचा को बचाना जरूरी है. ये साबुन त्वचा में नमी बरकरार रखते हैं और इसे रिजूविनेट करते हैं.

2. आयुर्वेदिक साबुन जैसे बायो ऑलमंड ऑयल शरीर को पोषित करते हैं, जो प्राकृतिक पोषक तत्वों से समृद्ध होते हैं. वे बादाम, मारगोसा, नारियल तेल, हल्दी आदि से युक्त होते हैं, जो त्वचा को मुलायम बनाते हैं.

3. गुलाब के सत्वों से बना साबुन त्वचा में प्राकृतिक नमी बरकरार रखते हुए चमक और निखार लाता है. गुलाब का तेल और पंखुड़ियां त्वचा के दाग-धब्बों को दूर करते हैं.

4. मानसून में लैवेंडर साबुन का इस्तेमाल भी किया जा सकता है. इसके जीवाणुरोधी गुण त्वचा में हो रही जलन और खुजली को दूर करते हैं, इसकी खुशबू ताजगी और सुकून का अहसास कराती है.

5. चारकोल साबुन तैलीय और मिश्रित त्वचा के लिए मानसून में अच्छा विकल्प है. साबुन में मौजूद एक्टिवेटेड बैंबू चारकोल गंदगी, टॉक्सिन और अशुद्धियों को दूर कर त्वचा के रोम छिद्रों को खोल देते हैं. ये मुंहासे, दाग-धब्बे भी दूर करते हैं.

6. पपीता और खीरा युक्त साबुन सभी प्रकार की त्वचा के लिए उपयुक्त होते हैं. यह त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटा कर रोम छिद्र खोल देता है और मुंहासों को नियंत्रित कर दाग-धब्बे कम करता है. इसके इस्तेमाल से त्वचा कोमल हो जाती है. यह त्वचा में नमी बरकरार रखता है.

मानसून में ऐसे रखेंगे फर्नीचर का ध्यान तो नहीं होगा खराब

तेज तपती गर्मी के बाद मानसून का इंतजार तो हर किसी को बेसब्री से लगा रहता है। लेकिन जहां यह मौसम चेहरे पर मुस्कान लाता है, वहीं अपने साथ कई तरह की प्रॉबल्म भी लेकर आता है जैसे दीवारों की सीलन, कपड़ों में बदबू। इसके अलावा एक और चिंता है जो हर किसी को सताती है वो लकड़ी के फर्नीचर की क्योंकि इस मौसम में लकड़ी के फर्नीचर में सीलन और उसमें कीड़े लगने शुरू हो जाते है। इतना ही नहीं लकड़ी फूलने लगती है ऐसे में घर का फर्नीचर खराब हो जाता है। फर्नीचर को बचाने के लिए लोगों को समझ नहीं आता कि क्या किया जाए। अगर आपको भी अपने फर्नीचर की चिंता सता रही है तो घबराए नहीं। हम आपको कुछ टिप्स बताएंगे, जिससे आप लकड़ी के फर्नीचर को बचाएं रख सकती है।

1. फर्नीचर को सेफ जगह पर रखें : अपने घर में पड़े लकड़ी के फर्नीचर को किसी ऐसी जगह पर रखें जगां, बारिश की बूंदे उनक तक न पहुंच पाएं। इससे वह गीले होने से बचे रहेंगे।

2. समय-समय पर ऑयलिंग दें : अगर आपके घर के खिड़की दरवाजे भी लकड़ी के है तो उन्हें समय-समय पर ऑयलिंग करें। ऐसा करने से उमें कोई कीड़ा नहीं लगने पाएं।

3. नीम के पत्तों का इस्तेमाल करें : घर में नमी को कंट्रोल करने के लिए सूखे नीम के पत्तों का इस्तेमाल करें। इसके अलावा आप ह्यूमीडिफायर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

4. फर्नीचर को दीवारों से दूर रखें : अधिकतर देखने को मिलता है कि लोग अपने फर्नीचर को दीवारों से जोड़कर रखते है लेकिन बारिस के मौसम में इनकी खास केयर करनी पड़ती है। इसलिए बेहतर होगा की मानसून में लकड़ी को फर्नीचर को दीवारों से दूर लगाकर रखें। इससे वह डैम लगने से बचे रहेगे।

5. पॉलिश या पेंट करवाएं : बारसात के दिनों में अपने फर्नीचर को पॉलिश या पेंट करवाएं। इससे वह नमी से बचे रहें और खराब भी नहीं होंगे।

कुछ इस तरह बनाएं अपनी सुबह खिली-खिली...

दी ब्वाडी क्लाक गाइड टू बेटर हेल्थ के मुताबिक 10 में से महज 1 ही व्यक्ति सही मायनों में मायनो में मार्निंग पर्सन कहलाता है। लेकिन अच्छी बात यह है कि 10 में महज दो ही लोगों की स्थिति सुबह उठते हुए गंभीर होती है बाकी सब सामान्य रहते हैं। लेकिन अगर आप चाहती हैं कि आपकी सुबह खिली-खिली हो, आप मार्निंग पर्सन कहलाएं तो इसके लिए आपको कुछ नियमों का पालन करना पड़ेगा। अपना ध्यान देना होगा और सोने के घंटों में इजाफा कना होगा।

अच्छी नींद लें

डेलीबर्नडाटकाम वेबसाइट के मुताबिक आपको चाहिए कि नियमित अच्छी नींद लें। अगर इसके लिए आपको अपने शिड्यूल में कुछ बदलाव करने होंगे तो उससे भी परहेज न करें। आप चाहें तो अपने काम को देर रात तक करने की बजाय देर शाम तक ही खत्म कर लें। अगर तब भी काम अधूरा रह जाए तो काम को वहीं अधूरा छोड़ सो जाएं और सुबह जल्दी उठने का नियम बनाएं। रात को ली गई नींद आपके स्वास्थ्य के लिए ज्यादा जरूरी है। जब नींद पूरी होती है तो सुबह त ?के उठने से आपको परहेज भी नहीं होगा।

पर्याप्त समय लें

आप एक रात में किला फतह नहीं कर सकते। इसलिए यह न सोचें कि आप अपने शिड्यूल को बैलेंस नहीं कर पा रही हैं। इसके लिए बेहतर है कि आप पर्याप्त समय लें। धीरे-धीरे कर अपनी जीवनशैली में बदलाव करें। इतना ही नहीं संभव हो तो किसी विशेषज्ञ की राय भी ले सकती हैं। एक बात और ध्यान में रखें कि खुद को काम के बोझ के तले ने दबाए रखें।

रूटीन बनाएं और फालो करें

अकसर देखने में आता है कि लोग रूटीन तो बना लेते हैं लेकिन उसे फालो नहीं करते। आपको बता दें कि यह तो ढाक के तीन पात वाली बात हो गई। बेहतरी यही है कि रूटीन बनाएं, इसके लिए आप किसी की मदद भी ले सकती हैं। साथ ही उसे फालो भी करें। आपको बता दें कि रूटीन बनाने के लिए मदद ली जा सकती है। लेकिन रूटीन फालो आपको खुद को ही करना होगा।

दिन में लें छोटी से झपकी

अगर आप देर रात तक पर्याप्त नींद नहीं ले पाई हैं तो उसकी भरपाई के तहत दिन में ही छोटी सी झपकी ले सकती हैं। इससे आपको न सिर्फ रिलैक्स फील होगा बल्कि आपको शरीर को अच्छा भी महसूस होगा। आपको खुद को थकान की गर्त में नहीं महसूस करेंगी। लेकिन हमेशा कोशिश करें कि रात की नींद पूरी लें।

स्मार्टली खाएं

विशेषज्ञों की मानें तो अगर आप सोने जा रही हैं तो इस समय दोनों ही तरह की स्थिति को नजरंदाज करें मसलन न तो बहुत ज्यादा खाएं और न ही भूखी रहें। ये दोनों ही स्थिति आपको मार्निंग पर्सन बनने नहीं दे सकती है। इसके उलट आपकी लाइफस्टाइल खराब कर सकती है, आपके हेल्थ पर नेगेटिव इफेक्ट छोड़ सकती है। एक बात और ध्यान रखें कि सोने से पहले वाशरूम जरूरी जाएं। शराब या काफी पीकर बेड पर जाने से बचें। यह आपके हेल्थ के लिए सही नहीं है।

सभी बत्तियां बंद करें

रात को सोने से पहले कमरे की सभी बत्तियां बंद कर दें। दरअसल ऐसा न करने से अच्छी और गहरी नींद लेने में समस्या होती है। इतना ही नहीं बत्तियां बंद करने से आपके अंदर की यानी ब्वाडी क्लाक को अलर्ट होने में मदद मिलती है। उसे दिन का और रात का सही-सही पता चलता है। लेकिन यदि आप कमरे की बत्तियां बंद नहीं करती हैं तो ब्वाडी क्लाक हर समय असमंजस में रहती है और वह आपको सही समय पर उठा नहीं पाती।

सोने के पहले तैयारी

सोने के पहले ध्यान रखें कि खुद को इलेक्ट्रानिक फ्री करके सोएं। इन दिनों देखने में आ रहा है कि बच्चे से लेकर बूढ़े तक सभी अपने सिरहाने पर मोबाइल, टैब या कोई अन्य गैजेट रखकर सोते हैं। इससे नींद बाधित होती है। बेहतर है कि सोने से पहले खुद को गैजेट और इलेक्ट्रानिक फ्री कर लें और चैन की नींद लें। इससे आपकी सुबह न सिर्फ अच्छी होगी बल्कि खिली-खिली भी हो जाएगी।

रेसिपी

रोस्टेड काजू मसाला

सामग्री

2 काजू, 12-15 साबुत कालीमिर्च, 2 बड़ा चम्मच जीरा, 1 बड़ा चम्मत साबुत धनिया, 1 छोटा चम्मच सौंफ, 1-2 लौंग, 3-4 सूखी लाल मिर्च, तलने के लिए तेल, 1 छोटा चम्मच चाट मसाला पाउडर, स्वादानुसार काला नमक, 1 छोटा चम्मच चीनी

विधि

मध्यम आंच पर एक पैन में सभी खड़े मसाले डालकर सुनहरा होने तक भून लें। गरम मसालों को प्लेट में निकालकर ठंडा होने दें। अब एक कड़ाही में तेल डालकर गर्म होने के लिए तेज आंच पर रखें। जब तक तेल गर्म हो रहा है। भूने साबुत मसालों को मिक्सर में पीसकर पाउडर बना लें। तेल में काजू को डालकर हल्का सुनहरा होने तक तल लें। काजू को किचन पेपर में निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए। काजू को एक बार में डालें फिर इसमें तैयार किया गर्म मसाला, चाट मसाला, काला नमक और चीनी डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। आप चाहें तो बोइल को 9कवर करके अच्छी तरह हिला लें। तैयार मसालेदार काजू को सर्व करें या फिर एयरटाइट कंटेनर में डालकर हफ्ते 10 दिन तक रख सकते हैं।

मीठे समोसा

सामग्री

आधा किलो मैदा, 3 बड़ा चम्मच बटर / मक्खन, 300 ग्राम घी, भरावन के लिए : आधा छोटा चम्मच तिल, 2 बड़ा चम्मच खोया, 8-10 किशमिश, आधा कप चीनी, 1 कप नारियल, कद्दूकस, 2 बड़ा चम्मच खसखस, आधा छोटा चम्मच वेनीला एसेंस

विधि

एक कटोरे में मैदा, बटर और पानी ले कर मुलायम आटा गूंद लें। इसके बाद आटे को आधे घंटे के लिए ऐसे ही रख दें। तय समय के बाद इसे फिर से अच्छी तरह मसलें। जब यह मुलायम हो जाए तो इसकी छोटी-छोटी लोई लेकर पूड़ियां बेल लें। अब एक कटोरे में खोया, चीनी, तिल, घिसी नारियल, खसखस और कुछ बूंद वेनीला एसेंस की डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। तैयार मिश्रण से एक चम्मच मसाला पूरियों में रखें और इसे समोसे जैसा आकार दें। समोसे के कोनों को चिपकाने के लिए आप चाहें तो अंडे का इस्तेमाल करें या फिर कांटे वाले चम्मच से दबाकर पैक कर सकते हैं इसके बाद जब समोसों में भरावन पूरी तरह से भर जाए तब इन पर बटर लगा दें। मीडियम आंच में एक कड़ाही में घी डालकर गर्म करें। जब घी गर्म हो जाए तो समोसों को इसमें डीप फ्राई कर लें। आप चाहें तो इन समोसों को चाशनी में भी डिबो सकते हैं। इसके लिए 1 कप पानी में एक कप चानी डालकर चाशनी तैयार कर लें और फिर इन समोसों को इसमें डालकर कुछ देर तक रखें और निकालकर सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम** ● **फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**